सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

ठोकरें खा कर भी न संभले तो मुसाफिर का नसीब, वर्ना पत्थरों ने तो अपना फर्ज निभा ही दिया था।
-ओशो

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 11 • अंकः 277 पृष्ठः 8 • लखनऊ, शनिवार 15 नवम्बर, 2025

बुमराह की गेंदबाजी ने कसा दक्षिण... 7 | बिहार के परिणाम पर विपक्ष को... 3 | भाजपा की भजन सरकार फेल... 2

प्रचंड जीत पर भारी पदों की मारा-मारी

बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन?

नीतीश ही या फिर कोई और... संस्पेंस बरकार

» महाराष्ट्र की तरह बिहार में भी शपथ ग्रहण में हो सकती है देरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में एक बार फिर ताजा राजनीतिक हालात ने हलचल को अपने चरम पर पहुंचा दिया है। चुनाव परिणामों में एनडीए को मिली प्रचंड जीत ने जहां उसके समर्थकों में उत्साह भर दिया है वहीं सत्ता की कुर्सी को लेकर भीतर ही भीतर एक मूक संघर्ष शुरू हो चुका है। इस संघर्ष का केंद्र है बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन? सवाल आसान लगता है लेकिन इसका जवाब उतना सीधा नहीं है। कारण साफ है। नीतीश कुमार ने चुनाव अभियान की कमान तो संभाली थी लेकिन एनडीए ने उन्हें कभी भी मुख्यमंत्री चेहरा घोषित नहीं किया था।

अब जब परिणाम उनके नेतृत्व में गठबंधन को भारी जीत देकर आए हैं तो बयानबाजी और बैक चैनल राजनीति चरम पर है। यह सारा घटनाक्रम महाराष्ट्र की उस स्थिति की याद दिलाता है जब प्रचंड जीत के बाद भी शपथ ग्रहण खिंचता ही चला गया था। तब सत्ता की साझेदारी और पदों के बंटवारे को लेकर खींचतान ने कई दिनों तक राजनीतिक स्थिरता को रोक रखा था। क्या बिहार में भी वैसा ही कुछ होने वाला है? यह सवाल इसलिए भी अहम है क्योंकि अंदरखाने से जो संकेत आ रहे हैं वह किसी शांत और सरल सत्ता हस्तांतरण की कहानी नहीं बताते।

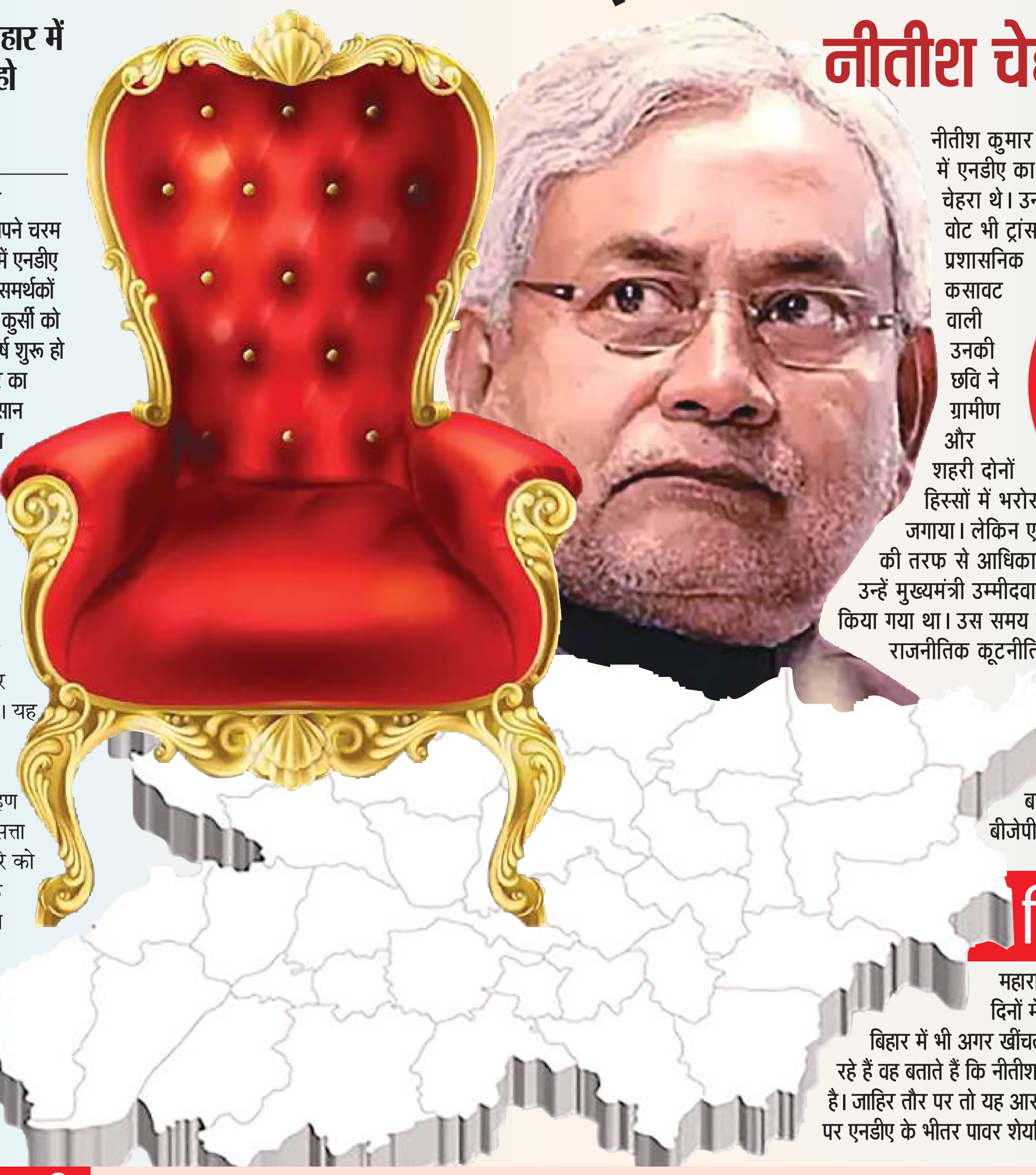

नीतीश चेहरा थे, पर दावा नहीं

नीतीश कुमार बिहार चुनावों में एनडीए का सबसे बड़ा चेहरा थे। उनके नाम पर वोट भी ट्रांसफर हुए प्रशासनिक कसावट वाली उनकी छवि ने ग्रामीण और शहरी दोनों हिस्सों में भरोसा जगाया। लेकिन एनडीए की तरफ से आधिकारिक रूप से उन्हें मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित नहीं किया गया था। उस समय मामूली राजनीतिक कूटनीति लग रही थी लेकिन अब वही पंक्ति सत्ता संघर्ष का आधार बन गई है। बीजेपी ने बिहार में जो प्रदर्शन दिया है वह उसकी अब तक की सबसे बड़ी सफलता है। सीटों की संख्या वोट प्रतिशत और सामाजिक विस्तार तीनों ही मोर्चों पर बीजेपी ने अपने को एनडीए का मुख्य स्तंभ साबित कर दिया है।

इतनी बड़ी जीत के बाद बीजेपी मुख्यमंत्री की कुर्सी पर मनोवैज्ञानिक दावा रखती है

स्वाभाविक है कि इतनी बड़ी जीत के बाद बीजेपी मुख्यमंत्री की कुर्सी पर मनोवैज्ञानिक दावा रखती है। राजनीति में सबसे बड़ा दल हमेशा खुद को शक्ति केंद्र मानता है। लेकिन दूसरी ओर यह भी उतना ही सच है कि बीजेपी की इस जीत की कहानी नीतीश कुमार के बिना अधूरी है। उन्हें हटाना सामाजिक समीकरणों और जन भावनाओं के लिहाज से भाजपा के लिए जोखिम भरा कदम हो सकता है। बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार की एक विशिष्ट सामाजिक स्वीकृति है। उनका नाम एक स्थिरता का प्रतीक है और यह बात बीजेपी खुद भी जानती है।

बिहार में महाराष्ट्र मॉडल

महाराष्ट्र में जब सत्ता साझेदारी का विवाद खड़ा हुआ था तब बात कुछ ही दिनों में राज्य का राजनीतिक मॉडल ही बदल देने जितनी बड़ी हो गई थी। बिहार में भी अगर खींचतान बढ़ी तो वही हालात बन सकते हैं। लेकिन अभी जो संकेत मिल रहे हैं वह बताते हैं कि नीतीश कुमार और बीजेपी की टाप लेवल मीटिंगों में सबकुछ तय हो चुका है। जाहिर तौर पर तो यह आसान दिखाई दे रहा है प्रेस बयानों के आधार पर लेकिन जमीनी स्तर पर एनडीए के भीतर पावर शेयरिंग को लेकर जारी मल्ल युद्ध की खबरें लगातार बाहर आ रही है।

मुख्यमंत्री नहीं पूरा सिस्टम दांव पर!

सत्ता सिर्फ एक चेहरा नहीं होती। वह दर्जनों पदों सैकड़ों पोस्टिंगों और हजारों फैसलों का नेटवर्क होती है। इसलिए अब जब एनडीए सत्ता में वापस आ चुका है तो भीतर पदों की मारा मारी शुरू हो गई है। हर दल हर नेता हर धड़ा चाहता है कि वह अधिक से अधिक हिस्सेदारी ले। बीजेपी चाहती है कि उसका मुख्यमंत्री हो या फिर कम से कम दो उपमुख्यमंत्री तो हो ही। वह गृह, वित्त, सड़क निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विभाग भी अपने पास रखना चाहती है। उसकी अगली मांग विधानसभा अध्यक्ष का पद भी हो सकता है। वहीं जदयू मुख्यमंत्री पद के साथ दूसरे महत्वपूर्ण विभाग अपने पास रखना चाहती है क्योंकि प्रचंड जीत में सभी को सत्ता का लाभ पहुंचाना ही नीतिश कुमार की कामयाबी का मूल मंत्र है। पिछले समायोजन में नीतीश का मजबूत था लेकिन इस बार ऐसा नहीं है और बीजेपी ज्यादा मजबूती के साथ वापस लौटी है। चिराग पासवान पहले ही कह चुके हैं कि हम सत्ता के साझेदार हैं दर्शक नहीं। यही नहीं इस चुनाव से पहले तक उनकी नीतिश के साथ नहीं बनती थी। पीएम मोदी के हस्तक्षेप के बाद चिराग झुके थे लेकिन नतीजों के बाद तने दिखाई दे रहे हैं। वह भी मलाइदार विभाग और ठीक ठाक पावर शेयरिंग चाहते हैं। बात अगर जीतन राम मांझी कि की जाए तो अनुभव और वोटों के मामले में वह भी कमजोर नहीं है। बुजुर्ग नेता होने के नाते उनका मान सम्मान बनाए रखने का दावा भी कमजोर नहीं है।

भाजपा की भजन सरकार फेल हो गई: डोटासरा

राजस्थान कांग्रेस अंता उपचुनाव की जीत से गदगद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के उपचुनाव में कांग्रेस जीत से गदगद है। उसने वहां भाजपा सरकार पर करारा वार किया है। प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने अंता उपचुनाव में पार्टी की जीत के बाद कहा- मैं अंता की जनता को सलाम करता हूं। उन्होंने ही कांग्रेस की जीत सुनिश्चित की है। यह बीजेपी सरकार के दो साल का टेस्ट था और सरकार इस परीक्षा में फेल हो गई है।

जयपुर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि उपचुनाव के नतीजे साफ तौर पर बताते हैं कि भाजपा सरकार प्रदर्शन में विफल रही है। वोटरों ने 2028 विधानसभा चुनाव से पहले ही बड़ा संदेश दे दिया है। मुझे भरोसा है कि कांग्रेस 2028 में राज्य में सरकार बनाएगी। डोटासरा ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा दो बार अंता में प्रचार करने गए, मंत्री वहां डेरा डाले रहे और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने भी पूरा कैंप लगाया लेकिन जनता ने कांग्रेस को चुना।

सीएम पर्ची लिखते रहे लेकिन जमीन पर कुछ नहीं बदला: टीकाराम जूली

वहीं नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि अंता की जनता ने स्पष्ट जनादेश दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जब वहां पहुंचे तो यह बात साफ हो गई कि पिछले दो वर्षों में कोई ठोस काम नहीं हुआ। सीएम पर्ची लिखते रहे लेकिन जमीन पर कुछ नहीं बदला। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली कांग्रेस सरकार की कई लोक कल्याणकारी योजनाओं को अंता क्षेत्र में रोक दिया गया, जिसका असर अब चुनाव परिणाम में दिख रहा है। जूली ने यह भी दावा किया कि जल्द ही सरकार सभी मंत्रियों के इस्तीफे मांग सकती है- वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में कुछ भी हो सकता है। दूसरी ओर कांग्रेस उम्मीदवार प्रमोद जैन भाया ने अपनी जीत का श्रेय जनता के बदले हुए रुझान को दिया। बारां में भाया ने कहा कि पिछले चुनाव में लोग भाजपा के भरोसे पर चले गए थे लेकिन इस बार उन्होंने हमें अपना आशीर्वाद दिया है।

गहलोत बोले- ठोस उपलब्धि पेश करने में असमर्थ रही सरकार

अंता उपचुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भजनलाल सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार दो साल में एक भी ठोस उपलब्धि पेश करने में असमर्थ रही है। मतदाताओं को धन्यवाद देते हुए और नवनिर्वाचित विधायक प्रमोद जैन भाया को बधाई देते हुए गहलोत ने कहा कि परिणाम जनता की बढ़ती नाराजगी का संकेत है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने पिछली सरकार की लोककल्याणकारी योजनाओं को कमजोर किया, जिससे जनता परेशान हुई और यह असंतोष उपचुनाव में दिखाई दिया। गहलोत ने कहा कि यह नतीजा बताता है कि सरकार पर शुरुआती दौर में ही तीखी एंटी-इंकम्बेंसी हावी है। उन्होंने इस उपचुनाव को लिटमस टेस्ट करार देते हुए कहा कि सरकार इसमें फेल हो गई है। साथ ही उन्होंने कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के प्रयासों की सराहना की।

ओवैसी की नजर अब यूपी पर

चंद्रशेखर, स्वामी प्रसाद मौर्या के साथ लड़ेंगे, बंगाल में भी तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने सीमांचल क्षेत्र में पांच सीटों पर जीत दर्ज कर सबको हैरानी में डाल दिया। लेकिन बिहार में मिली इस सफलता के बाद ओवैसी ने अपनी अगली रणनीति पर भी खुलकर बात क। इस दौरान उन्होंने साफ किया कि फिलहाल बंगाल चुनाव को लेकर कोई जल्दबाजी नहीं होगी, जबकि उत्तर प्रदेश में एआईएमआईएम पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरेगी।

ओवैसी ने कहा कि अभी हमें समय चाहिए। हम उन सीटों पर ध्यान देंगे जहां जीत मिली है और उन उम्मीदवारों के साथ बैठेंगे जो हार गए हैं, जिस पर मंथन की जरूरत है. खासकर आदिल हसन जैसे उम्मीदवारों की हार पर हमें दुख है. बंगाल में हमारी यूनिट है, लेकिन रणनीति पर फैसला करने के लिए हमें बैठकर चर्चा करनी होग और फिलहाल कहना जल्दबाजी होगी। ओवैसी ने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश में पूरी तरह तैयार है। यूपी में खेल शुरू हो चुका है. हम वहां ज्यादा सीटें जीतने की कोशिश करेंगे। चंद्रशेखर आजाद और स्वामी प्रसाद मौर्य के साथ हमारा गठबंधन जारी रहे, यह हमारी उम्मीद है।

बिहार से सबक और आगे की राह

बिहार चुनाव में एआईएमआईएम ने सीमांचल क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन कई सीटों पर हार ने पार्टी को सोचने पर मजबूर कर दिया है। ओवैसी का बंगाल को लेकर सतर्क रुख इस बात का संकेत है कि एआईएमआईएम फिलहाल अपनी ताकत को मजबूत करने और हार-जीत का विश्लेषण करने में जुटी है। वहीं यूपी में एआईएमआईएम का फोकस दलित-मुस्लिम गठजोड़ पर होगा, जो आने वाले चुनावों में बड़ा फैक्टर साबित हो सकता है।

एनडीए के पैसे बांटने से परिणाम बदले: उदय सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा चुनावों में लड़ी प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज का खाता भी नहीं खुला। इन चुनाव नतीजों में बुरी तरह हार और पार्टी के प्रदर्शन को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। चुनाव में करारी हार के बाद जनसुराज के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह की प्रतिक्रिया सामने आई है उन्होंने चुनाव परिणामों के लेकर एनडीए पे पैसे बांटने पर आरोप लगाए हैं।

चुनाव हार के सवाल पर जनसुराज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह ने कहा कि इसमें कोई दिक्कत नहीं है। जब हमारा वोट बैंक अपनी बुद्धिमानी से एनडीए की तरफ चले गए, सीटें नहीं आई इसमें घबराने की बात नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि इतिहास में ऐसा बहुत बार हुआ है और आगे भी होगा। हार का मुख्य वजह बताते हुए उन्होंने की हमारी हार के दो मुख्य कारण रहे. उन्होंने कहा, यह चुनाव के बीच जिस तरह से जो पैसों का बांट हुआ है, यह ठीक नहीं था। वहीं अपनी हार का दूसरा कारण बताते हुए उन्होंने कहा, आरजेडी के सत्ता में आने के डर से जो जनसुराज का वोट बैंक था वह एनडीए में चला गया। चुनाव में मुस्लिम वोटरों का समर्थन मिलने के सवाल पर उन्होंने कहा, जिस तरह से हमें उम्मीद थी, इस बार मुसलमान भाई हमारे साथ उस तरह नहीं जुड़े. उन्होंने आगे कहा कि हम प्रयास करते रहेंगे और आज न कल जरूर होगा।

चुनाव आयोग ने बिहार में एनडीए को दिलाई जीत: अवधेश प्रसाद

बोले सांसद- पर जनता ने बदलाव का मन बनाया था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत पर समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने तीखी प्रतिक्रिया दी हैं। उन्होंने इस जीत में चुनाव आयोग की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए और कहा कि जनता ने बदलाव का मन बनाया था लेकिन, चुनाव आयोग की वजह से ऐसा नतीजा आया है।

अवधेश प्रसाद ने कहा कि- बिहार चुनाव में बड़े पैमाने पर लोकतंत्र को खरीदा गया, जब चुनाव की घोषणा होती है और पूरे राज्य में आचार संहिता लागू होती है, तब सरकार की ओर से महिलाओं के खातों में 10-10 हज़ार रुपये जमा किए जाते हैं। यह लोकतंत्र के लिए और लोकतंत्र का जो मान्यताएं हैं, आचार संहिता का खुला उल्लंघन किया गया है। इसमें चुनाव आयोग की बहुत अहम भूमिका रही. इसके कारण इस तरह का नतीजा आया। सपा सांसद ने कहा कि जनता ने पूरी तरह से बदलाव का मन बना लिया था. हम गए थे वहां पर..हमारे नेता माननीय अखिलेश यादव ने सभाएं भी की थी, लोगों में चर्चा थी कि हमें सरकार को बदलना है और तेजस्वी यादव के नेतृत्व में महागठबंधन की सरकार बनाना है।

चुनाव आयोग का लेकिन, इस तरह का जो आचरण रहा। इस पर पाबंदी न लगाना, सरकार को पैसे डालने से नहीं रोकना, इसी वजह से एनडीए की चुनाव में जीत हुई और बिहार चुनाव के ये नतीजे आए।

एसआईआर में लाखों वोट काटे

सपा सांसद ने एसआईआर पर भी सवाल उठाए और कहा कि एसआईआर के बारे में जो लगातार समूचा विपक्ष आवाज उठाता रहा है। लोकसभा से लेकर सड़कों तक और तमाम जगहों पर वोट जिसकी संख्या सैकड़ों हजारों में नहीं लाखों में है उनके वोट काटे गए हैं। चुनाव आयोग पूरी तरह से इस पर मौन रहा है. इस तरह से सहमति रही कि लाखों-लाख वोट काट दिए गए, कुल मिलाकर इस जीत में चुनाव आयोग की भूमिका थी और कोई दूसरा कारण नहीं था।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

चुनाव में राजद को उसके अहंकार का फल मिला: चिराग पासवान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मोदी और नीतीश कुमार की डबल इंजन वाली सरकार ने बिहार में एनडीए को प्रचंड जीत दिला है। 243 विधानसभा सीटों वाले बिहार में एनडीए ने 202 सीटों पर जीत हासिल कर ली है। चुनावी नतीजे आने के बाद अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के घर नेताओं का जमावड़ा लगना शुरू हो गया है।

कई नेता उनके आवास पर मुलाकात के लिए आ रहे हैं। चुनाव आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर भी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के सभी सीटों का रिजल्ट घोषित किया जा चुका है। बीजेपी बिहार में विधायकों की संख्या के हिसाब से सबसे बड़ी पार्टी बन चुकी है। 101 सीटों पर लड़ने वाली भाजपा ने 89 सीटों पर जीत हासिल की है। दूसरे नंबर जदयू है। जदयू को 85 सीटों पर जीत मिली है। 143 सीटों पर लड़ने वाली राजद 25 सीटों के साथ तीसरे नंबर की पार्टी बनी है। चिराग पासवान की पार्टी एलजेपी (रामविलास) ने 19 सीटों पर जीत हासिल की। कांग्रेस को 6 सीटों पर जीत मिली है। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ने फिर से 5 सीटों पर जीत हासिल की है. जीतन राम मांझी की पार्टी हिन्दुस्तान अवाम मोर्चा की पार्टी ने भी 5 सीटों पर जीत हासिल की है। उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने 4 सीटों पर,सीपीआई एमएल ने 2 सीटों पर जीत हासिल की है। आईपी गुप्ता की पार्टी आईआईपी ने एक सीट पर जीत हासिल की है। जबकि सीपीआई एम और मायावती की बसपा को एक सीट पर जीत मिली है। प्रशांत किशोर की जन सुराज और मुकेश सहनी की वीआईपी खाता भी नहीं खोल सकी है।

बिहार के परिणाम पर विपक्ष को करना होगा आत्म मंथन

राजद और कांग्रेस को भारी नुकसान, भाजपा को फायदा

» रणनीति बदलने से वापसी करेगा महागठबंधन

» भाजपा ने बढ़त दिखा जदयू को सहमाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार चुनाव के परिणाम के बाद ये तो एकबात सामने आ गई विपक्ष को अपनी रणनीति को और धारदार करनी होगी। एनडीए के बिहार में बाजी मारने के मुख्यतः तीन कारक समझ में आ रहे हैं। पहला महिलाओं को दस हजार देने का वादा, नीतीश की बेदाग छवि व एसआईआर के जरिये कई वोटरों का बाहर होना। इन सबके अतिरिक्त भाजपा का बार-बार 2005 से पहले जंगलराज की बात को उठा कर नये युवा को राजद से दूर करने में सफलता प्राप्त करना।

चूकि इस बार के चुनाव में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बन कर उभरी है। अब आगे देखना होगा कि सीएम के चेहरे पर कहीं सिर फुटौव्वल न होने लगे हालांकि इसके आसार कम है क्योंकि राजद को उतनी सीटें नहीं मिली है जिससे वह कुछ राजनीतिक माहौल बदल पाए। इसमे कोई शक नहीं कि तेजस्वी युवा हैं उनको लोग पसंद करते हैं। अगर वह अपने पिता के कालखंड की कालिमा को लोगों के मन से निकाले लेंगे तो उन्हें आगे इसका लाभ होगा। बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों में एनडीए ने 202 सीटों पर कब्जा किया। इसमें बीजेपी 89 जेडीयू 85, लोजपाआरवी 19, हम 5 और आरएलएम 4 सीटों पर जीत हासिल की। उधर महा गठबंधन को मात्र 35 सीटों से संतोष करना पड़ा। सियासत तेजस्वी रगों में दौड़ती है, क्योंकि उनके पिता और मां दोनों बिहार के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। कहने को वह आरजेडी के युवराज हैं और उन्हें 2025 के विधानसभा चुनाव में भावी सीएम माना जा रहा था, लेकिन बिहार के नतीजों ने उन्हें निस्तेज कर दिया है। बात हो रही है तेजस्वी यादव की, जिनके जीत के तमाम दावों को बिहार की जनता से सिरे से नकार दिया है। अब सवाल उठता है कि क्या यह चुनावी हार तेजस्वी यादव का राजनीतिक तेज खत्म कर देगी? इन नतीजों के बाद आरजेडी के युवराज का भविष्य कैसा होगा?

गैर-यादव वोट दूर गया

तेजस्वी यादव की आरजेडी को महागठबंधन में 143 सीटें मिली थीं। इनमें 52 सीटों पर उन्होंने यादव कैंडिडेट्स उतारे। ऐसे में मैसेज यह गया कि तेजस्वी यादव का पूरा फोकस जातिवाद की राजनीति पर है, जिससे गैर-यादव वोट पूरी तरह छिटक गया। अगर तेजस्वी यादव अपनी यही छवि कायम रखते हैं तो उन्हें भविष्य में भी नुकसान उठाना पड़ सकता है। दरअसल, चुनाव प्रचार के दौरान विरोधी पार्टी उनको आरजेडी की यादव नीति कहकर बार-बार घेर सकती है। जातिगत जनगणना का मुद्दा भी नहीं चला। इसका मतलब राजद को बड़ा सोचना होगा।

भाई तेज प्रताप के अलग होने का भी असर

परिवार में विवाद के बाद तेज प्रताप यादव ने अलग पार्टी बनाई और चुनाव मैदान में कूद पड़े। हालांकि, उनका हाल भी बेहद खराब रहा लेकिन भविष्य में वह आरजेडी में वापसी कर सकते हैं और तेजस्वी यादव के सियासी भविष्य पर सवाल उठा सकते हैं। अब सवाल उठता है कि क्या इस हार के बाद तेजस्वी यादव वापसी कर पाएंगे? अगर देखा जाए तो राजनीति में कुछ भी परमानेंट नहीं होता है। यहां एक चुनाव के नतीजों का असर अक्सर दूसरे चुनाव पर नजर नहीं आता। अगर तेजस्वी यादव अपनी गलतियों पर ध्यान देंगे और इन्हें नहीं दोहराएंगे तो हालात बदल सकते हैं। आरजेडी एक बार फिर सत्ता का स्वाद चख सकती है।

61 सीटों पर चुनाव लड़ रही थी कांग्रेस

कांग्रेस 61 सीटों पर चुनाव लड़ रही थी, लेकिन केवल 14 पर आगे चली, जो गठबंधन के भीतर एक निर्णायक ताकत के रूप में उभरने में पार्टी की अक्षमता को दर्शाता है। 2020 के बिहार विधानसभा चुनावों में, कांग्रेस ने 70 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन केवल 19 पर जीत हासिल कर पाई, जबकि राजद और वामपंथी दलों ने उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन किया। भाकपा (माले) (लिबरेशन) ने 19 सीटों पर चुनाव लड़ा और 12 में से 16 सीटें जीतीं, जो कांग्रेस से कहीं ज्यादा स्ट्राइक रेट दर्शाता है। महागठबंधन 110 सीटों पर सिमट गया, जो एनडीए की 125 सीटों से पीछे है।

वादों पर लोगों ने नहीं जताया भरोसा

तेजस्वी यादव ने चुनाव प्रचार के दौरान कई ऐसे वादे किए, जिनका खाका वह सही तरीके से खुद भी नहीं खींच पाए। इन वादों में हर घर को सरकारी नौकरी देने का वादा भी शामिल है, जिसमें वह यह नहीं बता पाए कि इसे कैसे पूरा किया जाएगा। जब भी उनसे इसका ब्लू प्रिंट मांगा गया, वह जवाब देने से बचते दिखे। ऐसे में जनता को उन पर ऐतबार नहीं हो पाया और उन्हें हार झेलनी पड़ रही है। अगर तेजस्वी यादव को वापसी करनी है तो उन्हें इस पर काफी काम करना होगा। जनता से ऐसे वादे करने होंगे, जिन पर आसानी से भरोसा हो सके।

विपक्षी खेमे में हड़कंप

इन नतीजों ने विपक्षी महागठबंधन के भीतर हलचल मचा दी है। हालांकि महागठबंधन ने तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री चेहरा बनाकर चुनाव लड़ा था और यादव, मुस्लिम तथा मल्लाह वोटों को अपने साथ जोड़ने की रणनीति अपनाई थी, लेकिन यह समीकरण प्रभावी होता नहीं दिखा। इसके बावजूद यह कहना गलत होगा कि तेजस्वी यादव को जनता ने पूरी तरह नकार दिया है, क्योंकि उनकी पार्टी आरजेडी विपक्षी खेमे में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। कुल मिलाकर साफ संकेत दे दिया है कि एनडीए इस बार बड़े बहुमत के साथ सत्ता में वापसी कर चुकी है जबकि महागठबंधन के सामने अपनी रणनीतियों की पुनर्समीक्षा की चुनौती खड़ी हो गई है।

चिराग मिलकर लड़ें मिला लाभ

एनडीए की अन्य सहयोगी पार्टियों का प्रदर्शन भी मजबूत रहा है। हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा ने 6 सीटों पर चुनाव लड़ा है। चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने इस बार एनडीए में शामिल होकर 29 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। 2020 में एलजेपी (आर) ने गठबंधन से अलग होकर 135 सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन केवल एक सीट जीत सकी थी। इस बार का प्रदर्शन उनके लिए राजनीतिक पुनर्जीवन जैसा माना जा रहा है।

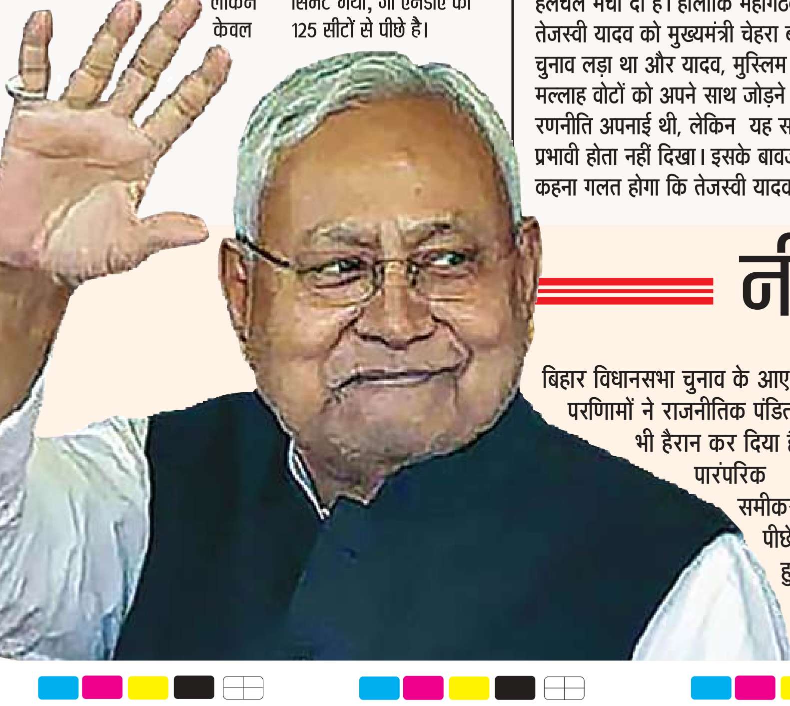

नीतीश जादू अभी बरकार

बिहार विधानसभा चुनाव के आए परिणामों ने राजनीतिक पंडितों को भी हैरान कर दिया है। सभी पारंपरिक समीकरणों को पीछे छोड़ते हुए एनडीए गठबंधन भारी बहुमत से जीता। जबकि रोजगार और विकास के बड़े वादों के बावजूद तेजस्वी यादव की अगुवाई वाला महागठबंधन रुझानों में हाशिए पर दिखाई दिया। इस चुनाव में जेडीयू ने 101 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे थे और अब तक 76 सीटों पर बढ़त हासिल की हुई है। पिछली बार 2020 के चुनाव में जेडीयू ने 115 सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन केवल 43 सीटें जीत पाई थी। इस बार के रुझान पिछले चुनाव की तुलना में जेडीयू के प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार दिखाते हैं। वहीं, बीजेपी ने भी 101 सीटों पर चुनाव लड़ा है और उसे पिछले चुनावों की अपेक्षा लाभ मिला। 2020 में बीजेपी ने 110 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे और 74 सीटें जीती थीं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

समस्या बड़ी और गंभीर सजगता आवश्यक

> "ये छुट्टा जानवर खेतों में खड़ी फसलों तक को नुकसान कर देते हैं। इससे ग्रामीण इलाकों में कभी-कभी वहां रह रहे निवासियों के बीच हिंसक झड़पें सुनने को मिलती हैं जिससे वहां का माहौल खराब हो जाता है। पशु निराश्रित नहीं है, उनको तो इस हाल में लाने के लिए वे लोग जिम्मेदार हैं जो उन्हें निराश्रित छोड़ देते हैं। इनके अचानक से वाहन के सामने आ जाने से दुर्घटनाएं हो जाती हैं।

सुप्रीम कोर्ट छुट्टा जानवरों के लिए एकबार फिर खड़ा हुआ है। उसने राज्य सरकारों को कहा कि इनके लिए तुरंत अलग ठिकाने बनाए। देश के हर शहर में छुट्टा जानवरों के झुंड के झुंड सड़क घेरे बैठे रहते हैं। इतना तो ठीक है पर ये इतने आतंकित करते हैं लोग इनसे सहमे रहते हैं। कभी कभी तो ये हिंसक हो जाते हैं और लोगों की जान तक ले लेते हैं। सरकारों व शहर के प्रशासन को इसका निदान करना चाहिए। साथ ही आम लोगों को भी इस पर विशेष ध्यान देना चाहिए। ये समस्या शहरों में ही नहीं गांवों में भी बड़ स्तर पर फैली है। ये छुट्टा जानवर खेतों में खड़ी फसलों तक को नुकसान कर देते हैं। इससे ग्रामीण इलाकों में कभी-कभी वहां रह रहे निवासियों के बीच हिंसक झड़पें सुनने को मिलती हैं जिससे वहां का माहौल खराब हो जाता है। पशु निराश्रित नहीं है, उनको तो इस हाल में लाने के लिए वे लोग जिम्मेदार हैं जो उन्हें निराश्रित छोड़ देते हैं। इनके अचानक से वाहन के सामने आ जाने से दुर्घटनाएं हो जाती हैं। इनको रोकने के लिए स्थानीय लोग जब भी ऐसे जानवरों को देखे, स्थानीय प्रशासन में सूचना दें।

पशुओं के मालिकों के खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए। सड़कों पर निराश्रित पशुओं की वजह से आए दिन हादसे होते रहते हैं। इसलिए नगर निगम की ये जिम्मेदारी बनती हैं कि वे निराश्रित पशुओं को पकड़कर गोशालाओं में छोड़कर आएं ताकि दुर्घटना भी न हो और निराश्रित पशुओं को भी समय पर चारा मिल सके। निराश्रित पशुओं से सड़क पर होने वाले हादसों को रोकने के लिए नेशनल हाईवे अथॉरिटी व राज्य सड़क परिवहन विभाग द्वारा सड़कों पर पशुओं के विचरण को रोकने के लिए ऊंची दीवार या डिवाइडर निर्मित किए जाने चाहिए। जो पशु सड़क मार्गों के आसपास घास या चारा खाने अथवा अन्य कोई वाहन चालकों द्वारा गिराए जाने वाले खाद्य उत्पाद को खाने के लिए वहां जाते हैं, उनके गले में चमकीले रेडियम के पट्टे/बैंड बांधे जाने चाहिए। जहां पर भी सड़क मार्ग निर्मित किए गए हैं यह रास्ते गोवंश के विचरण के रास्ते थे इसलिए स्वाभाविक रूप से पशु अपने रास्तों पर ही विश्राम करते हैं अत: इन निराश्रित पशुओं के लिए गोचर भूमियों को अतिक्रमण मुक्त कर उनमें गौशाला विकसित की जानी चाहिए। स्थानीय प्रशासन के द्वारा सड़कों पर घूमने वाले निराश्रित पशुओं को समय-समय पर पकड़ने की मुहिम चलानी चाहिए। इन निराश्रित पशुओं के सड़कों के बीचोंबीच बैठने से आए दिन दुर्घटनाएं भी हो रही हैं, जो अनेक बार जानलेवा बन रही हैं। पशुपालक अपने पालतू पशुओं को अपने घरों मे ही बांधकर रखें तो लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिल सकती हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सेल्फी ऑफ 'देखो मेरी खाने की थाली साफ'

अरुण नैथानी

जब देश में करोड़ों लोग कुपोषण व भूख के संकट से जूझते हैं, तो विडंबना यह है कि देश में हर साल 92,000 करोड़ रुपये मूल्य का भोजन बर्बाद हो जाता है, जिसकी मात्रा 7.8 करोड़ टन से ज्यादा है। भोजन की यह बर्बादी मुख्य रूप से घरों व सार्वजनिक समारोहों में होती है। वहीं अन्य कारक गलत ढंग से भंडारण, कोल्ड चेन सिस्टम व परिवहन की कमी भी हैं। वर्ष 2022 के आंकड़े के अनुसार देश में हर साल प्रति व्यक्ति 55 किलो खाना बर्बाद हुआ। एक गणित के अनुसार वर्ष 2022 में जो 92 हजार करोड़ रुपये का अनाज बर्बाद हुआ, उसकी कीमत में सौ करोड़ लागत वाली 920 वंदे भारत ट्रेन तैयार हो सकती थी। संयुक्त राष्ट्र की फूड वेस्ट इंडेक्स रिपोर्ट-2021 की रिपोर्ट बताती है कि भारत में सबसे ज्यादा खाने की बर्बादी घरों में होती है।

यूं तो हम शादी व अन्य सार्वजनिक समारोहों में लोगों को प्लेट में भर-भर कर भोजन लेने और बचे खाने को कचरे में डालते देखते हैं। लेकिन हम निष्क्रिय रहते हैं। लेकिन इससे व्यथित, हरियाणा के जींद में एक शख्स ने अन्न का सम्मान करने की एक अनूठी मुहिम बच्चों के बीच स्कूलों से शुरू की है। 'वन अर्थ, वन फैमिली' संस्था बच्चों को संस्कार दे रही है कि वे उतना ही भोजन लें, जितना खा सकते हैं, जिसके सूत्रधार हैं संस्था के अश्वनी 'जिज्ञासु'। बच्चों के लिए उनका प्रेरक नारा है 'उतना लो थाली में व्यर्थ न जाए नाली में।' अश्वनी इस नारे को लेकर जन-जागरण अभियान में जुटे हैं। वे जानते हैं कि कल के राष्ट्र निर्माता बच्चों को पहले संस्कार दिए जाने चाहिए। हो सकता है कि बड़ों को समझाने में, उनके ईगो को ठेस पहुंचे। अत: उन्होंने इस मुहिम को स्कूल-कॉलेजों से शुरू किया है। वे शादी-पार्टी, जागरण व विशेष उत्सवों पर बच्चों को संकल्प कराते हैं कि 'मैं अन्न का अपमान नहीं करता।' 'जिज्ञासु' कहते हैं कि एक शादी समारोह में यदि एक हजार लोगों का खाना बनता है तो कम-से-कम डेढ़ से दो सौ लोगों का खाना बर्बाद होता है। ये अन्न का अपमान है। हम नहीं सोचते कि इस अन्न को पैदा करने में किसान ने कितना खून-पसीना एक किया है।

जिस देश में करोड़ों लोग भूखे सोते हों, वहां इतने भोजन की बर्बादी अपराध जैसा है। एक भूखे को ही रोटी की कीमत का अहसास होता है। समाज में जागरूकता के लिए कई अभियानों से जुड़े अश्वनी ने इस मुहिम को सिरे चढ़ाने के लिए 'वन अर्थ, वन फैमिली' नामक ट्रस्ट बनाया है। जीवनपर्यंत अविवाहित रहकर समाज में बदलाव की मुहिम में जुटे अश्वनी इससे पहले गरीबों को भोजन देने के 'रोटी बैंक' 'पहली रोटी गाय माता की' जैसे अभियानों से जुड़े रहे हैं। 'पहली रोटी गाय माता की' अभियान के तहत वे स्कूलों में जागरूकता अभियान चलाते रहे हैं। हर रोज जो हजारों रोटियां बच्चे उत्साह से जुटाते रहे हैं, उन्हें गोशालाओं में भेज देते। वे मानते हैं कि दूसरों के दुख को अपना समझना ही परमात्मा को अनुभव करने की अनुभूति है। अभियान का मकसद यह भी रहा है कि बच्चों में देने के भाव का विकास हो सके। मुहिम में 'रोटी बैंक' तहत सेवा कार्य जींद, पानीपत, टोहाना व चंडीगढ़ के स्कूलों में लंबे समय तक चला। कालांतर 'विचार मंच' के तहत यह एक मुहिम बन गई। संस्था चंडीगढ़ व हरियाणा के अन्य शहरों में शादी या अन्य उत्सव के बाद बचे खाने को एकत्र कर उसे जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाती रही है। समारोह में बचे व्यंजन जब जरूरतमंद लोगों तक पहुंचते तो उनके लिये यह उत्सव का हिस्सा बनने जैसा होता। चेहरों पर सुकून के भाव उभरते। अब 'रोटी बैंक' मुहिम के बाद जिज्ञासु ने 'सेल्फी ऑफ देखो मेरी थाली साफ' मुहिम को गति दी। वे बच्चों से संकल्प करवाते हैं कि अन्न ही जीवन है और हम इसका अपमान नहीं करते। इसमें विवाह व अन्य समारोहों में बच्चों की थाली चेक होती है। फिर बच्चा सेल्फी लेकर बोलता 'देखो मेरी खाने की थाली साफ है'। अधिक बच्चों को प्रेरित करने हेतु बच्चे की सेल्फी नाम व मोबाइल नंबर के साथ सोशल मीडिया पर डाली जाती है। फिर बच्चों के नाम ड्रा में शामिल करके उन्हें सम्मानित किया जाता है। उत्साहित बच्चे कहते दिखते हैं 'अंकल देखो, अन्न का एक भी दाना वेस्ट नहीं किया। मुझे भी ड्रा में शामिल कीजिए।' मुहिम के तहत

शादी व अन्य पार्टियों में बच्चों द्वारा तीन बैनर्स लगाये जाते हैं। लोगों को जागरूक करने के लिए पहले में लिखा होता 'उतना लो थाली में, व्यर्थ न जाए नाली में।' दूसरे बैनर्स में लिखा होता 'सेल्फी ऑफ देखो मेरी थाली साफ है।' तीसरे बैनर में लिखा होता है 'अन्न ही ब्रह्म, अन्न ही जीवन।' इसके अलावा सोशल मीडिया में चिपके रहने वाले बच्चों को भारतीय संस्कारों से जोड़ने की मुहिम भी अश्वनी चला रहे हैं। दैनिक जीवन में भारतीय संस्कारों वाली 25 आदतों से जोड़कर सफल प्रतिभागियों को पुरस्कार दिए जाते हैं। ये दैनिक जीवन की आदतें उन्हें अच्छा इंसान बनाने हेतु प्रेरित करती हैं। बच्चे इन आदतों को अपनाने वाले फॉर्म पर अभिभावक से हस्ताक्षर करवाते हैं। अब कुछ बच्चे भी शिक्षक बन गए हैं। आदत के सौ दिन पूरा होने पर स्कूल में बेस्ट किड्स अवार्ड से सम्मानित किया जाता है। बच्चों को सिखाया जाता है कि 'जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाना ही सच्ची पूजा है'।

डीपफेक से निपटने को फौरी समाधान से आगे बढ़ें

दिनेश सी शर्मा

केंद्र सरकार ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से उत्पन्न डिजिटल सामग्री के नियमन के लिए मसौदा नियम प्रकाशित किए हैं। वर्ष 2021 में जारी हुए सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश एवं डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियमों को विस्तार करते हुए, इस मसौदे में कृत्रिम रूप से उत्पन्न जानकारी को भी शामिल किया गया है। ऐसी जानकारी या सामग्री को ऐसी चीज के रूप में परिभाषित किया गया है, जिसे कंप्यूटर संसाधन का उपयोग करके कृत्रिम रूप से या एल्गोरिथम के माध्यम से निर्मित, उत्पन्न, संशोधित अथवा परिवर्तित कुछ इस तरह से किया गया हो कि वह यथोचित रूप से प्रामाणिक या सत्य प्रतीत लगे। ये नियम विशेष रूप से डीपफेक वीडियो, ऑडियो और सिंथेटिक मीडिया के खतरे से निपटने के लिए तैयार किए गए हैं, जिनकी हाल के महीनों में सोशल प्लेटफॉर्म पर बाढ़ आई हुई है।

ये विश्वसनीय लगने वाले झूठ फैलाने के लिए जनरेटिव एआई की क्षमता को प्रदर्शित करते हैं। ऐसी सामग्री में व्यक्तियों को ऐसे कार्य करते अथवा बयान देते दर्शाया जाता है, जो उन्होंने कभी किया ही नहीं। एआई-जनित डीपफेक का इस्तेमाल अक्सर गलत सूचना फैलाने, किसी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने या वित्तीय धोखाधड़ी करने के लिए किया जाता है। राजनीतिक दल चुनावों के दौरान मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए इनका इस्तेमाल कर सकते हैं। सरकारी एजेंसियों की अब तक की प्रतिक्रिया सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और महत्वपूर्ण सोशल मीडिया मध्यस्थों (एसएसएमआई) को आपत्तिजनक सामग्री के खिलाफ परामर्श नोट जारी करना ही रही है। एसएसएमआई के पास शिकायतों और नियामक आवश्यकताओं से निपटने के लिए एक अनुपालन प्रणाली होने की जरूरत थी। नए नियमों का उद्देश्य कृत्रिम रूप से उत्पन्न सूचना से संबंधित लेबलिंग, मूल स्रोत का पता लगाने की क्षमता और जवाबदेही के लिए एक कानूनी आधार प्रदान करना है।

ऐसा तमाम एआई-जनित सामग्री को मेटाडेटा एम्बेडिंग के माध्यम से लेबल करने के लिए बाध्यकारी बनाया जाएगा ताकि कृत्रिम रूप से उत्पन्न या संशोधित जानकारी की शिनाख्त प्रामाणिक सामग्री से अलग की जा सके। सोशल मीडिया मध्यस्थ कृत्रिम जानकारी की पुष्टि और उसे चिह्नित करने के लिए उत्तरदायी होंगे। इस प्रकार प्रस्तावित उपायों में न केवल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और मध्यस्थ को शामिल किया है, बल्कि कृत्रिम रूप से उत्पन्न जानकारी के निर्माण या संशोधन हेतु तकनीक प्रदान करने वाली कृत्रिम बुद्धिमत्ता कंपनियां और उपकरण भी शामिल हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता टूल्स कंपनियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि ऐसी जानकारी में स्थायी, विशिष्ट मेटाडेटा, पहचानकर्ता के साथ, लेबल या एम्बेड किया हो। तंबाकू उत्पादों पर छपी वैधानिक स्वास्थ्य चेतावनी की तरह, कृत्रिम सामग्री पर लेबल को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाना चाहिए, जो विजुअल डिस्पले के कम से कम 10 प्रतिशत सतह क्षेत्र में दिखाई दे अथवा ऑडियो सामग्री के मामले में प्रारंभिक 10 फीसदी अवधि में सुनाई देता हो।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए जरूरी है उपयोगकर्ताओं से यह घोषणा करने के लिए कहें कि जो जानकारी वे अपलोड कर रहे हैं कहीं वह कृत्रिम रूप से उत्पन्न तो नहीं, और प्लेटफॉर्मों को ऐसी घोषणाओं को सत्यापित करने के लिए उचित एवं आनुपातिक तकनीकी उपाय करने होंगे। प्लेटफॉर्म अच्छी भावना से कृत्रिम बुद्धिमत्ता-जनित या अन्य समस्याग्रस्त सामग्री को खुद से हटा देते हैं या उस तक पहुंच को अवरुद्ध करते हैं, तब वे सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत प्रदत्त कानूनी सुरक्षा नहीं खोएंगे। इस तकनीक की प्रकृति और संरचना के कारण, किसी भी प्रकार के एआई को विनियमित करना दुनिया भर के नियामकों और सरकारों के लिए एक दु:स्वप्न साबित हो रहा है। एआई सामग्री श्रृंखला जटिल और बहुस्तरीय है। यह केवल चैटजीपीटी, जेमिनी या डैल-ई जैसे एआई टूल्स ही नहीं हैं, बल्कि कई मध्यस्थ और प्लेटफॉर्म भी हैं, जो एआई-जनित सामग्री जैसे कि एआई आर्ट जनरेटर, वॉइस-क्लोनिंग टूल्स, डीपफेक ऐप्स, सोशल मीडिया या वीडियो प्लेटफ़ॉर्म में एम्बेडेड टूल है, जिन पर उपयोगकर्ता एआई-जनित सामग्री, चैटबॉट या सामग्री निर्माण टूल्स अपलोड करते हैं, जो आगे एआई टेक्स्ट या विजुअल उत्पन्न करते हैं। इनके निर्माण को सक्षम, अनुमति या सुगम बनाते हैं।

फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स और लिंक्डइन जैसे प्रमुख सोशल मीडिया प्लेयर्स, जिनकी भारत में उपस्थिति है, इनको छोड़कर, एआई श्रृंखला के अधिकांश प्लेयर्स कहीं और स्थित हैं। उन्हें भारतीय नियमों के अधीन लाना कठिन हो सकता है। डीपफेक से संबंधित नियम जल्दबाजी में बनाए गए प्रतीत होते हैं। ये नागरिकों के ऑनलाइन अधिकारों की रक्षा के लिए एक सुविचारित नियामक कदम के बजाय, हाल ही में राजनीतिक नेताओं से जुड़े डीपफेक वीडियो की बाढ़ के प्रति एक अतिशयी प्रतिक्रिया अधिक प्रतीत होते हैं। नियमों के ध्यान का केंद्र मुख्यत: आपत्तिजनक माने जाने वाले डीपफेक को च्हटानाज् और ऐसी सामग्री के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को पूर्ण रूप से जिम्मेदार ठहराना है। नियमन को हर किसी की शारीरिक संरचना और आवाज़ के अधिकार की रक्षा के लिए डिजाइन किया जाना चाहिए। भारत में फिल्मी सितारे खास तौर पर अपने चेहरे और आवाज़ के अनधिकृत एआई उपयोग को रोकने के लिए इस अधिकार की मांग कर रहे हैं।

बिना तले ही घर पर बनाएं कुरकुरी कचौड़ी

स्टफिंग के लिए सामान

धुली मूंग दाल- 1/2 कप, हरी मिर्च- 1, अदरक- 1 चम्मच, सौंफ - 1/2 चम्मच, हींग- 1 चुटकी, धनिया पाउडर- 1 चम्मच, लाल मिर्च पाउडर- 1/2 चम्मच, नमक, तेल- 1 चम्मच।

त्योहारों का मौसम शुरू हो रहा है। ऐसे में लोगों का मन कुछ न कुछ चटपटा खाने का तो करता ही है। पर, हर रोज बाहर कुछ न कुछ खाया जाए ये संभव नहीं है और हर दिन घर पर तला-भुना खाया जाए तो इससे भी सेहत पर असर पड़ता है। खासतौर पर अगर कचौड़ी जैसे पकवान को तैयार किया जाए तो इसे बनाने में भी खूब सारा तेल इस्तेमाल होता है। ऐसे में कचौड़ी बनाएं जिसे तलने की जरूरत नहीं पड़ेगी। जब बिना तले कचौड़ी तैयार होगी तो फिटनेस लवर्स भी इसे चाव से बिना किसी गिल्ट के खा सकते हैं।

विधि

बिना तले कचौड़ी बनाने के लिए सबसे पहले तो एक दिन पहले दाल को पानी में भिगो दें, ताकि अगले दिन इसे तैयार कर सकें। अब आटे में नमक और 1 चम्मच तेल मिलाकर, थोड़ा सख्त आटा गूंध लें। इसके बाद इसे कम से कम 20 मिनट ढककर रख दें। जब तक आटा साइड में रखा है, तब तक एक पैन में 1 चम्मच तेल गर्म करें, उसमें हींग, सौंफ, अदरक, हरी मिर्च डालें। इसके बाद इसमें दरदरी पिसी हुई दाल डालें और धीमी आंच पर 5-6 मिनट भूनें। जब ये सभी मसाले पूरी तरह से भुन जाएं तो इसे ठंडा होने दें। इसके बाद आटे से छोटी-छोटी लोई बनाकर उसे बेलें और फिर स्टफिंग भरकर कचौड़ी तैयार करें। अब इसे तलना नहीं है तो इसे आप दो तरह से तैयार कर सकते हैं। इसके लिए चाहें तो एयरफ्रायर में सेक लें। अगर ये नहीं चाहते हैं तो हल्के से तेल में नॉन स्टिक तवे पर इसे सेक लें। इससे भी कचौड़ी एकदम स्वादिष्ट तरह से तैयार होंगी।

आटा गूंथने का सामान

गेहूं का आटा- 2 कप, नमक- 1/2 चम्मच, तेल- 1 चम्मच, पानी।

दादी मां की बताई विधि से तैयार करें करौंदे का अचार

भारतीय घर में कुछ हो या न हो, लेकिन तमाम तरह के अचार अवश्य मिलते हैं। कई अचार ऐसे होते हैं, जिन्हें सालों-साल सही से रखा जा सकता है, वहीं कई अचार मौसम के अनुरूप तैयार होते हैं। जैसे सर्दियों में मूली, गाजर और गोभी का अचार पड़ता है, वहीं गर्मी के मौसम में करौंदे का अचार लोग खाना बेहद पसंद करते हैं। तो अगर आप भी रोजमर्रा के खाने से परेशान हैं, तो करौंदे का अचार तैयार करें। ये न सिर्फ स्वाद में लाजवाब होता है, बल्कि इसे बनाना भी बेहद आसान है। इसके साथ आपके खाने का स्वाद कई गुना बढ़ जाएगा। इसी विधि से दादी-नानी भी इसे तैयार करती थीं।

विधि

करौंदे का अचार बनाने के लिए सबसे पहले करौंदों को अच्छी तरह से धोकर एक सूती कपड़े पर रख दें, ताकि इसका पानी सूख जाए। जब पानी सूख जाए तो इसे बीच में से दो भागों में काटकर कपड़े पर ही रखा रहने दें। इसके बाद मसाले तैयार करने के लिए सबसे पहले एक कढ़ाही में सरसों का तेल गरम करें। जब तेल से धुआं निकलने लगे तो उसमें हींग डालें। फिर मेथी दाना, सौंफ और दरदरी राई डालकर हल्का भून लें। मसाले भुन जाएं तो उसमें हल्दी, लाल मिर्च पाउडर और नमक डालकर अच्छे तरह से मिक्स करें। इसके बाद कटे हुए करौंदे डालें और सभी सामग्री को अच्छे से मिक्स करें। अब इसे पांच मिनट तक पकाएं। इससे करौंदे थोड़े नरम हो जाएंगे और मसाले भी इसमें मिल जाएं। अब अचार को ठंडा होने दें और फिर उसे साफ और सूखे कांच के जार में भरें।

सामान

करौंदा- 500 ग्राम, सरसों का तेल - 1/2 कप, राई -2 बड़े चम्मच, सौंफ - 2 बड़े चम्मच, मेथी दाना - 1 बड़ा चम्मच, हल्दी पाउडर- 1 छोटा चम्मच, लाल मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच, हींग- 1 चुटकी, नमक- स्वादानुसार।

हंसना मना है

आजकल 12 साल के लड़के भी खुद की मोटरसाइकिल चलाते घूम रहे है! और हम थे साइकिल भी 3 चरणों में सीखी थी..! 1- कैंची, 2- डंडा, 3- गद्दी।

टीचर - नेताजी आपका बेटा फेल हो गया और आप सबको लड्डू खिला रहे हैं... नेताजी - 70 लड़कों की क्लास में 60 फेल हैं, बहुमत तो मेरे बेटे के साथ है...!

पत्नी -तुम मुझे कितना प्यार करते हो? पति -72 प्रतिशत मेरी जान... पत्नी - 100 प्रतिशत क्यों नहीं करते हो? पति - पगली... लग्जरी चीजों पर 28 फीसदी जीएसटी भी तो लगता है ना...पति ये बात सुनकर पत्नी बेहोश...

ग्राहक- बेटा तेरे पापा की तो रसगुल्ले की दुकान है, तेरा खाने का मन नहीं करता? बच्चा ग्राहक से- बहुत मन करता है अंकल लेकिन क्या करें पापा रसगुल्ले गिन कर रखते हैं इसलिए बस इनको चूस के वापिस रख देता हूं। ग्राहक बेहोश..

कहानी | बिल्ली और चूहा

एक बार एक बहुत ही चालाक और चौकस बिल्ली थी, उसकी इसी चालाकी और चौकसी को देखकर चूहे भी सावधान हो गये थे और अब चूहे बिल्ली के हाथ नहीं आ रहे थे। एक समय ऐसा आया कि बिल्ली भूख के मारे तड़पने लगी। एक भी चूहा उसके हाथ नहीं आता था, क्योंकि वो उसकी आहट सुनते ही तेज़ी से अपने बिल में छुप जाते थे। भूख से बचने के लिए बिल्ली योजना बनाने लगी। तभी उसके दिमाग में आया और वो एक टेबल पर उल्टी लेट गई। उसने सभी चूहों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि वो मर चुकी है। सारे चूहे बिल्ली को ऐसे लेटा हुआ अपने बिल से ही देख रहे थे। उन्हें पता था कि बिल्ली बहुत चालाक है, इसलिए उनमें से कोई भी चूहा अपने बिल से बाहर नहीं आया। लेकिन, बिल्ली भी हार मानने वालों में से नहीं थी। वो बहुत देर तक उसी टेबल पर उल्टी लेटी रही। धीरे-धीरे चूहों को लगने लगा कि बिल्ली मर चुकी है। वो जश्न मनाते हुए अपने बिल से निकलने लगे। चूहे जैसे ही बिल्ली की टेबल के पास पहुंचे, उसने उछलकर दो चूहे पकड़ लिए। इस तरह बिल्ली ने इस बार तो अपने पेट को भर लिया, लेकिन चूहे अब और भी ज़्यादा सतर्क हो गए। दो चूहे खाने के बाद बिल्ली दोबारा भूख से तड़पने लगी, क्योंकि चूहे अब बिल्कुल भी लापरवाही नहीं बरतना चाहती थे। इस बार पेट भरने के लिए एक बार फिर बिल्ली को योजना बनानी थी। लेकिन, इस बार छोटी योजना काम नहीं आने वाली थी। इसलिए, बिल्ली ने अब खुद को पूरे आटे से ढक लिया। चूहों ने सोचा कि वह आटा है और उसे खाने के लिए आ गए। लेकिन एक बूढ़े चूहे ने उन्हें रोक दिया। उसने ध्यान से आटा देखा, तो उसे उसमें बिल्ली का आकार दिखने लगा। तभी बूढ़े चूहे ने हल्ला मचाना शुरू किया। उसने कहा, सब अपने बिल में चले जाओ। यहां आटे में बिल्ली छुपी है। बूढ़े चूहे की बात सुनकर सारे चूहे अपने बिल में चले गए। जब बहुत देर तक एक भी चूहा बिल्ली के पास नहीं पहुंचा, तब बिल्ली थकने की वजह से उठ गई। इस तरह बूढ़े चूहे ने अपने अनुभव से सारे चूहों की जान बचा ली।

कहानी से सीख- बिल्ली और चूहे की कहानी से यह सीख मिलती है कि बुद्धि का इस्तेमाल करके धोखे से बचा जा सकता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा।

वृषभ व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। भाग्य का साथ मिलेगा।

मिथुन परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। तनाव रहेगा। पुराना रोग उभर सकता है। लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी व्यक्ति की बातों में न आएं।

कर्क बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। धनहानि संभव है, सावधानी रखें।

सिंह धन प्राप्ति सुगम तरीके से होगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने में रुझान रहेगा। मान-सम्मान मिलेगा।

कन्या व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेंगे। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। लंबित कार्य पूर्ण होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा।

तुला व्यवसाय ठीक चलेगा। पुराना रोग उभर सकता है। दूर से दुःखद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। किसी व्यक्ति के व्यवहार से अप्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिक जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। नौकरी में शांति रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। मित्रों का सहयोग रहेगा।

धनु भूमि व भवन इत्यादि की खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेगे।

मकर विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य प्रभावित होगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। मित्रों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा।

कुम्भ किसी अपने ही व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। थकान व कमजोरी रह सकती है। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। नौकरी में कार्यभार रहेगा।

मीन धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

मैंने दूसरी बार बुरे इंसान का रोल किया मुझे बहुत मजा आया : सयानी गुप्ता

सयानी गुप्ता इंडस्ट्री की उन अदाकाराओं में से एक हैं, जो पर्सनल लाइफ में हमेशा लड़कियों के हक के लिए मुखर रही हैं। वहीं, पर्दे पर भी फोर मोर शॉट्स प्लीज, जॉली एलएलबी 2 जैसे प्रोजेक्ट्स में मजबूत महिला किरदार निभाती रही हैं, मगर चर्चित वेब सीरीज Delhi Crime 3 में वह बच्चियों की तस्करी करने वाली गैंग मेंबर की नेगेटिव भूमिका निभा रही हैं। हालांकि, सयानी का कहना है कि बतौर ऐक्टर उन्हें यह रोल करने में बहुत मजा आया, क्योंकि न केवल यह किरदार उनसे पूरी तरह अलग है, बल्कि उन्हें उन मुद्दों से जुड़ी कहानियों का हिस्सा बनना पसंद हैं, जो उन्हें परेशान करती हैं। खुद एक फेमिनिस्ट होने के बावजूद सीरीज में बच्चियों के साथ हिंसा करने जैसे सीन करने को लेकर सयानी कहती हैं, हम ऐक्टर हैं और ऐक्टर होने के नाते आप हर तरह का रोल करना चाहते हैं। किसी को तो विलन बनना पड़ेगा। किसी को तो बुरे इंसान का रोल भी करना पड़ेगा और कन्विंसिंग तरीके से करना होगा। मैंने अपने 14 साल के करियर में दूसरी बार बुरे इंसान का रोल किया है और मुझे बहुत मजा आया क्योंकि मैं इसमें बहुत ही बदमाश हूं, जबकि असल जिंदगी में बिल्कुल भी बदमाश नहीं हूं। पर्सनली मुझे हिंसा से नफरत है, मैं ट्रिगर हो जाती हूं, पर इसमें मारपीट करने, गंदी-गंदी भाषा में गाली देने में बहुत मजा आया, क्योंकि जो आप रियल में नहीं कर सकते, वह ऐक्टर के तौर पर करने में भी एक मजा है। फिर, देखा जाए तो कोई भी इंसान पूरी तरह अच्छा या बुरा नहीं होता। लेकिन क्या लड़कियों की बेबसी का फायदा उठाने, उनकी सौदेबाजी जैसे सीन उन्हें झकझोरते या परेशान करते हैं? इस पर उन्होंने कहा, मुझे असल में उल्टा लगता है कि हम ऐक्टर्स के पास ये हथियार है कि जो चीजें या मुद्दे हमें परेशान करते हैं, उनको दिखाकर हम लोगों को सोचने पर मजबूर कर सकते हैं।

अब ओटीटी पर भी रिलीज हुई अनुराग कश्यप की फिल्म निशांची

अनुराग कश्यप की क्राइम-ड्रामा फिल्म निशांची, जो कुछ समय पहले सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, अब ओटीटी पर भी स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है। खास बात यह है कि फिल्म के साथ इसका डायरेक्ट-टू-डिजिटल सीक्वल भी रिलीज कर दिया गया है।

यह प्रोजेक्ट इसलिए भी चर्चा में रहा क्योंकि यहीं से राजनीतिक परिवार से ताल्लुक रखने वाले ऐश्वर्य ठाकरे ने अभिनय की दुनिया में कदम रखा है। शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे के पोते ऐश्वर्य इस फिल्म में डबल रोल निभाते नजर आते हैं- दो जुड़वां भाइयों की कहानी, लेकिन उनके स्वभाव, सोच और जीवन की राहें बिल्कुल अलग। एक तरफ मासूमियत और परिवार का बंधन, तो दूसरी तरफ जुर्म की अंधेरी गलियों में उलझी जिंदगी—अनुराग कश्यप की दुनिया में यह जटिलता नई नहीं, लेकिन इस बार एक पॉलिटिकल फैमिली के युवा चेहरे ने इसमें नई ऊर्जा भर दी है।

फिल्म में ऐश्वर्य के साथ मोनिका पंवार दो भाइयों की मां के किरदार में दिखाई देती हैं, जबकि वेदिका पिंटो कहानी में रोमांस का स्पर्श जोड़ती हैं।

फिल्म का मूल प्लॉट जुड़वां भाइयों की आपसी जंग, रिश्तों के टूटने और अंततः उनके मोक्ष की तलाश पर आधारित है। अपराध के बोझ से भरी यह कहानी इंसान के बदलते स्वरूप और परिस्थितियों के असर को गहराई से छूती है। ओटीटी पर आने की घोषणा खुद अनुराग कश्यप और पूरी कास्ट ने एक वीडियो के जरिए की।

फिल्म में मोहम्मद जीशान अय्यूब और कुमुद मिश्रा जैसे दमदार कलाकार भी हैं, जो कहानी के भावनात्मक और नाटकीय पक्ष को और मजबूत बनाते हैं। 'निशांची' के ओटीटी पर आने के साथ ही इसके सीक्वल का डिजिटल प्रीमियर होना दर्शकों के लिए किसी सरप्राइज से कम नहीं। पहले ही भाग की कहानी जहां जुर्म और भावनाओं का संगम रही, वहीं सीक्वल में इसकी परतें और गहरी उतरती दिखाई देती हैं।

शादी की चौथी सालगिरह पर राजकुमार राव और पत्रलेखा के घर गूंजी किलकारी

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड में इस समय खुशियां ही खुशियां छाई हुई हैं। अभी कुछ दिनों पहले ही कटरीना कैफ और विक्की कौशल माता-पिता बनें। वहीं अब एक और बॉलीवुड कपल के घर नन्हें कदमों ने दस्तक दी है। राजकुमार राव और पत्रलेखा को अपनी शादी की सालगिरह के चौथे साल पेरेंट्स बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इसकी जानकारी कपल ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी। राजकुमार राव और पत्रलेखा के घर में बेटी का जन्म हुआ है। शनिवार को इसकी जानकारी देते हुए कपल ने एक ज्वाइंट पोस्ट शेयर करते हुए एक सेलिब्रेशन कार्ड पोस्ट किया जिसमें लिखा है- हम बहुत खुश हैं। भगवान ने हमें एक नन्ही परी का आशीर्वाद दिया है। धन्य माता-पिता, पत्रलेखा और राजकुमार। उन्होंने पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा, हमारी शादी की चौथी सालगिरह पर भगवान ने हमें सबसे बड़ा आशीर्वाद दिया है। इस खबर के आते ही उन्हें बधाई देने वालों का तांता लग गया है। फैन्स और सेलेब्स उनकी नन्ही राजकुमारी पर प्यार लुटा रहे हैं। वरुण धवन ने कमेंट करते हुए लिखा कि क्लब में आप दोनों का स्वागत है। कपल ने 9 जुलाई को एक पोस्ट के जरिए प्रेग्नेंसी की जानकारी दी थी। एक इंटरव्यू में पत्रलेखा ने बताया कि उन्हें न्यूजीलैंड की ट्रिप के दौरान पता चला था कि वो प्रेग्नेंट हैं। उसी समय राजकुमार राव के केयरिंग नेचर को देखकर उन्हें अहसास हो गया था कि वो एक अच्छे पिता होंगे। कपल ने नवंबर 2021 में शादी की थी। पत्रलेखा और राजकुमार राव की मुलाकात साल 2014 में फिल्म सिटीलाइट्स की शूटिंग के दौरान हुई थी जिसके बाद दोनों को प्यार हो गया।

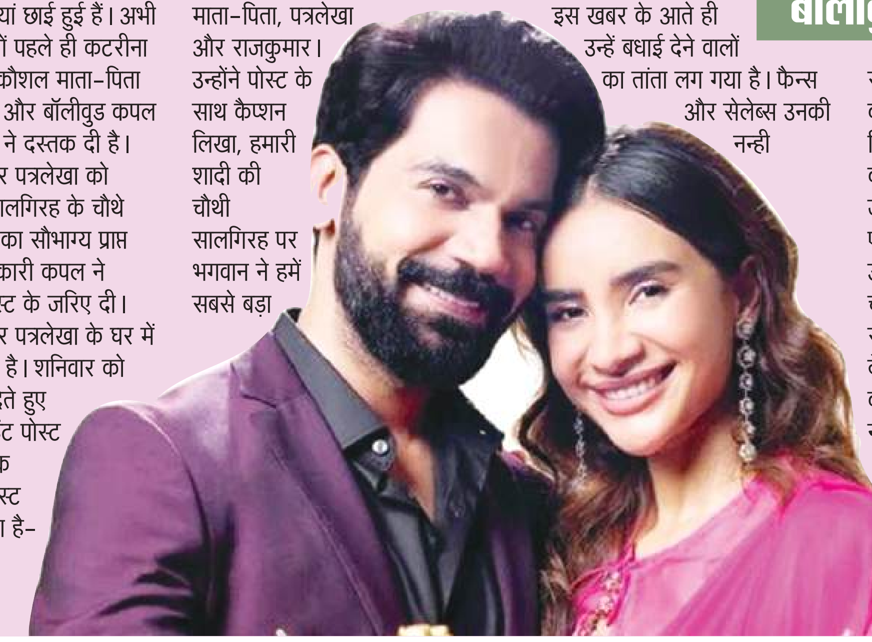

अजब-गजब | एनर्जी बचाने के लिए यह जीव करता है अजीब उपाय

पानी में एक ही पैर पर खड़ा रहता है राजहंस!

प्रकृति की दुनिया में हर जीव के पास कोई ना कोई अनोखा हुनर होता है, जो हमें हैरान कर देता है। आज बात करते हैं राजहंस की, जिसे हम फ्लेमिंगो भी कहते हैं। आपने पार्कों, चिड़ियाघरों या डॉक्यूमेंट्री में देखा होगा। ये गुलाबी परिंदे घंटों एक ही पैर पर खड़े रहते हैं। जरा भी नहीं डगमगाते। अब सवाल ये कि क्या ये योगा कर रहे हैं? या बैलेंस की प्रैक्टिस?

जवाब है नहीं। इसके पीछे है एक वैज्ञानिक राज, जो बॉडी की एनर्जी बचाने से जुड़ा है। आज हम आपको इसके बारे में बता ही देते हैं। जिसे आप योगाभ्यास समझते आए हैं, उसके पीछे इनकी एक खास ट्रिक है। जिससे ये बॉडी की एनर्जी बचाते हैं। जैसे ही ये जानकारी सामने आयी, लोग हैरान रह गए। कई ने तो कमेंट में ये भी लिख दिया कि आजतक उन्हें गलतफहमी थी। अच्छा हुआ कि ये जानकारी सामने आ गया वरना वो इसे ही सच मान कर दुनिया से अलविदा भी हो जाते। फ्लेमिंगो दुनिया के सबसे खूबसूरत पक्षियों में से एक है। ये झीलों, नमकीन पानी के इलाकों में रहते हैं। भारत में ये गुजरात के कच्छ, राजस्थान के सांभर झील और ओडिशा में दिखते हैं। इनकी संख्या लाखों में होती है और ये झुंड बनाकर रहते हैं। लेकिन इनकी वो एक पैर वाली पोजीशन? बचपन से आपने भी इन्हें एक पैर पर खड़े देखा होगा लेकिन कभी सोचा नहीं होगा कि ये ऐसा क्यों करते हैं? वैज्ञानिकों ने इसपर सालों रिसर्च की। सबसे पहला स्टडी 2009 में आया, जब ब्रिटेन के सेंट एंड्र्यूज यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स ने फ्लेमिंगो के पैरों का एनाटॉमी स्टडी किया। पता चला कि जब राजहंस एक पैर पर खड़ा होता है, तो उसका दूसरा पैर पेट से चिपक जाता है। आखिर इसकी क्या वजह होती है?

दरअसल, फ्लेमिंगो ठंडे पानी में खड़े होते हैं। पैर पानी में डूबे रहते हैं, तो बॉडी हीट तेजी से निकलती है। अगर वो दोनों पैर पानी में रखे, तो ठंड लगने का खतरा होगा। लेकिन एक पैर उठाकर पंखों के नीचे छिपा लें, तो वो गर्म रहता है। इससे बॉडी टेम्प्रेचर मेंटेन रहता है। पक्षियों की बॉडी छोटी होती है यानी उनका मेटाबॉलिज्म तेज होता है। ठंड में ज्यादा कैलोरी बर्न होती है गर्म रहने के लिए। रिसर्च कहती है कि एक पैर पर खड़े रहने से 50प्रतिशत तक एनर्जी बचती है। मतलब, जो कैलोरी खाने में लगती, वो बच जाती है। और ये कैलोरी ये झींगा, कीड़े, शैवाल खाकर पूरी करते हैं। कम एनर्जी खर्च यानी ज्यादा सर्वाइवल चांस। अब एक और सवाल ये है कि एक पैर पर इतनी देर खड़े रहने के बाद भी वो गिरते क्यों नहीं हैं? दरअसल, फ्लेमिंगो के पैरों में एक स्पेशल मैकेनिज्म है जिसे पैसिव स्टे मसल लॉक कहा जाता है। मतलब, जब पैर मोड़ा जाता है, तो मांसपेशियां ऑटोमैटिक लॉक हो जाती है। इसमें कोई एफर्ट नहीं लगता। जैसे हमारा घुटना लॉक होता है खड़े रहते वक्त, ठीक उसी तरह। 2017 में जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल बायोलॉजी में स्टडी पब्लिश हुई थी। डेड फ्लेमिंगो के शरीर पर भी टेस्ट किया गया। लाश को एक पैर पर खड़ा किया और वो घंटों नहीं हिला! जीवित में तो ये और आसान है।

आसमान का वो हिस्सा, जहां नहीं उड़ता कोई विमान, पायलट भी मोड़ लेता है रास्ता

आज के समय में एयर रूट लोगों के लिए ट्रेवल करने का सबसे आसान जरिया बन गया है। आप बेहद कम समय में और बिना ज्यादा थकावट के लंबी दुरी तय कर सकते हैं। हर देश में अब ये सुविधा मौजूद है। चाहे आपको भारत से रूस जाना हो या अमेरिका, आपको हर जगह की फ्लाइट मिलेगी। जिस तरह से सड़क पर एक ट्रैफिक व्यवस्था होती है, ठीक उसी तरह से आसमान में भी होती है। एवीएशन डिपार्टमेंट इसकी प्लानिंग कर हर प्लेन का एक रूट तय करता है, जिसकी वजह से हर देश से उ?ान भरने वाली फ्लाइट्स अपने रास्ते जाती है और आसमान में कोई दुर्घटना नहीं घटती। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जब ये रूट तय की जाती है तब एक ऐसी जगह है, जिसके ऊपर से हर फ्लाइट को बैन कर दिया जाता है? जी हां, हर जगह से फ्लाइट गुजर सकती है लेकि सिर्फ एक ऐसी जगह है, जहां से कोई भी प्लेन क्रॉस नहीं करती। हम बात कर रहे हैं तिब्बतियन प्लैट्यू की। इसे रूफ ऑफ वर्ल्ड के नाम से भी जाना जाता है। इस जगह से कोई भी पायलट अपनी प्लेन को नहीं उड़ाता। आखिर इसका रहस्य क्या है? आइये आज आपको बताते हैं। तिब्बतियन प्लैट्यू सेंट्रल एशिया का एक बड़ा हिस्सा है। ये करीब 2.5 मिलियन स्क्वेयर किलोमीटर में फैला हुआ है। इसकी ऊंचाई 45 हजार मीटर तक है। ये धरती की सबसे ऊंची जगह मानी जाती है। अपने भगौलिक फीचर्स की वजह से इसके ऊपर से प्लेन की उड़ान काफी मुश्किल मानी जाती है। इतनी ऊंचाई से प्लेन की उड़ान में इंजन फेल होने की संभावना ज्यादा रहती है। इसके साथ ही अगर इस इलाके से उड़ान भरने के दौरान कभी गलती से इमरजेंसी लैंडिंग की जरुरत पड़ गई तो वो पॉसिबल नहीं है। इस वजह से भी विमान इस इलाके से उड़ान भरने से कतराती है।

हार के बाद बिहार में सियासी रार

महागठबंधन व जनसुराज में आत्म चिंतन

» 10 हजार में खरीदा गया जनादेश : मुकेश सहनी

» बिहार चुनाव : एनडीए की जीत पर वीआईपी का सवाल

4पीएम न्यूज नेटवर्क

पटना। बिहार चुनाव 2025 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के भारी जीत की ओर बढ़ने के बीच, विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख और महागठबंधन के उपमुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार मुकेश सहनी ने कहा कि उन्होंने महिला मतदाताओं को गुमराह करके और उन्हें अवैध रूप से लुभाकर जीत हासिल की है। मुकेश सहनी ने कहा, फिलहाल, हम इस जनादेश को स्वीकार करते हैं। हम एनडीए को बधाई देते हैं। हमने कभी नहीं सोचा था कि वे इस तरह से जीतेंगे।

उन्होंने महिला मतदाताओं को गुमराह करके जीत हासिल की है। हम जल्द ही इसके पीछे के कारणों की जांच करेंगे। पहली नजर में, ऐसा लगता है कि सभी जातियों और धर्मों की महिलाओं ने नीतीश कुमार पर भरोसा किया क्योंकि यह उनका आखिरी चुनाव था और क्योंकि लोगों तक यह संदेश पहुंच गया था कि उन्हें 1 लाख 90 हजार रुपये और मिलेंगे। उन्होंने आगे बताया कि पैसा हमेशा से हावी रहा है और दिनदहाड़े कानूनी तौर पर अवैध गतिविधियां चल रही हैं। पहले गरीब लोग अपना वोट बेचते थे। रात के अंधेरे में, धनी और ताकतवर लोग पैसे बांटकर जनादेश चुराते थे। हमने लोगों को जागरूक किया है। अब वे रात में अपना वोट नहीं बेचते। लेकिन अब वह पुराना तरीका बदल गया है। दिनदहाड़े कानूनी तौर पर अवैध गतिविधियां चल रही हैं। लोगों ने बेरोज़गारी जैसी हज़ारों समस्याओं को नजरअंदाज करते हुए 10,000 रुपये और 1 लाख 90 हजार रुपये के लिए वोट दिया है। लेकिन मैं जनता और महिलाओं द्वारा लिए गए फैसले को सलाम करता हूं। इस पर मेरी कोई टिप्पणी नहीं है।

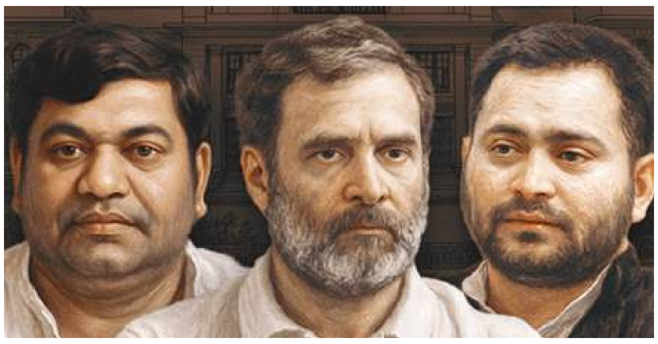

भाई की बगावत तेजस्वी को ले डूबी

लालू ने जिस पार्टी को अपने हाथों से खड़ा किया था, उसे बीजेपी और जेडीयू ने ध्वस्त कर दिया। बड़े बेटे तेज प्रताप को घर और राजद से निकाले जाने के बाद, उन्होंने खुद को अपनी दिवंगत दादी, मरचैय्या देवी के आशीर्वाद की ओर मुड़ते पाया। 1707 में जिस तरह कैद शाहजहाँ ने अपने बेटों को सत्ता के लिए लड़ते देखा था, उसी तरह बीमार लालू प्रसाद यादव ने 2025 के बिहार चुनावों से पहले अपनी विरासत को लहूलुहान होते देखा। लालू के दो लाल तेज प्रताप और तेजस्वी के बीच तलवारें खिंची नजर आईं। इस विवाद की वजह से यादव परिवार में दरार खुलकर सामने आ गई। लालू ने जिस पार्टी को अपने हाथों से खड़ा किया था, उसे बीजेपी और जेडीयू ने ध्वस्त कर दिया। बड़े बेटे तेज प्रताप को घर और राजद से निकाले जाने के बाद, उन्होंने खुद को अपनी दिवंगत दादी, मरचैय्या देवी के आशीर्वाद की ओर मुड़ते पाया। ऐसे में चर्चा ये है कि क्या बिहार ने यादव परिवार में प्रतीकात्मक दारा शिकोह के अभिशाप को जीवंत होते देखा है। भारतीय जनता पार्टी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट से जरिए राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद यादव पर निशाना साधा था।

बिहार में करारी हार के बाद राजनीति छोड़ देंगे प्रशांत किशोर

पीके बिहार की सियासत में पोस्टर बॉय के तौर पर उभरे और जन स्वराज पार्टी से जुड़ने की होड़ सी लग गई। लगा जैसा दिल्ली में हुआ था ठीक वैसा ही बिहार में होने वाला है। बदलाव आने वाला है। बेरोजगारी, पलायन, शिक्षा नीति को लेकर पीके ने बढ़-चढ़कर बातें की और बिहारियों को एक नए बिहार का ख्वाब दिखाया। बिहार की सियासत में खुद को अर्श पर देखने वाले प्रशांत किशोर ने तो यहां तक भविष्यवाणी कर दी कि इस बार नीतीश कुमार का आखिरी चुनाव है और इस बार बिहार में नीतीश सरकार आई तो वो राजनीति छोड़ देंगे। यह अंतिम सत्र है और नीतीश कुमार के लंबे राजनीतिक कैरियर का यह अंतिम सत्र है।

चुनाव के नतीजे आयोग के कुकृत्यों को छिपा नहीं सकते : स्टालिन

» डीएमके नेता ने जीत के लिए नीतीश कुमार की सराहना की

4पीएम न्यूज नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेता नीतीश कुमार को उनकी निर्णायक जीत के लिए शनिवार को बधाई दी। स्टालिन ने साथ ही निर्वाचन आयोग की आलोचना करते हुए कहा कि इस चुनाव के नतीजे उसके ''कुकृत्यों'' को छिपा नहीं सकते। उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के युवा नेता तेजस्वी यादव की उनके अथक प्रचार अभियान के लिए सराहना की।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''बिहार चुनाव परिणाम सभी के लिए एक सबक है। चुनाव परिणाम कल्याणकारी योजनाओं को लाभार्थियों तक पहुंचाए जाने, सामाजिक एवं वैचारिक गठबंधन, स्पष्ट राजनीतिक संदेश और अंतिम वोट पड़ने तक समर्पित प्रबंधन को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस) गठबंधन के नेता अनुभवी हैं जो संदेश को समझने और उभरती

चुनौतियों से निपटने के लिए रणनीतिक योजना बनाने में सक्षम हैं। उन्होंने निर्वाचन आयोग की आलोचना करते हुए कहा, ''इस चुनाव के नतीजे निर्वाचन आयोग के कुकृत्यों और लापरवाह कार्यों को नहीं छिपा सकते। निर्वाचन आयोग की प्रतिष्ठा अपने सबसे निचले स्तर पर है। स्टालिन ने कहा कि देश के नागरिक ऐसे मजबूत और अधिक निष्पक्ष निर्वाचन आयोग के हकदार हैं, जिसके चुनाव संचालन से उन लोगों में भी विश्वास पैदा हो जिनकी जीत नहीं हुई।

ईवीएम व एसआईआर ने हराया : दिग्विजय

4पीएम न्यूज नेटवर्क

भोपाल। बिहार चुनाव परिणाम के बाद कांग्रेस ने अपनी हार की वजह एक बार फिर एसआईआर प्रक्रिया और ईवीएम को बताया है। इसी कड़ी में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि चुनाव को लेकर उनकी जो शंका थी, वह अब सही साबित होती दिख रही है। मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री प्रह्लाद पटेल ने कहा कि शिकायत करे वाले शिकायत करते रहें।

मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने बिहार में एनडीए द्वारा बहुमत का आंकड़ा पार करने पर कहा कि इस प्रचंड जीत पर केवल खुशी ही व्यक्त की जा सकती है। जहां तक मैं देख रहा हूं, चुनावी राजनीति में ऐसी ऐतिहासिक जीत दुर्लभ होंगी।

युवा की कोई जाति नहीं, युवा स्वयं में है एक शक्ति : डॉ. राजेश्वर सिंह

» रेड रोज स्कूल के वार्षिकोत्सव में पहुंचे सरोजनी नगर विधायक

» मेधावी छात्रों को दिए लैपटॉप, डिजिटल क्लासरूम का किया वादा

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने बाल दिवस के अवसर पर विष्णुलोक कॉलोनी, कानपुर रोड स्थित रेड रोज पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होकर बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों का आनंद लिया। उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रेरित किया, प्रोत्साहित किया और सम्मानित किया।

कार्यक्रम के दौरान इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले पांच मेधावी छात्र-छात्राओं को विधायक की ओर से लैपटॉप प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही, डिजिटल शिक्षा के विस्तार के संकल्प के तहत डॉ.

सिंह ने विद्यालय में दो नए स्मार्ट क्लास स्थापित कराने का आश्वासन भी दिया। इस दौरान डॉ. सिंह ने विद्यालय के संस्थापक आर सी मिश्र, अध्यक्ष स्मिता मिश्रा, डॉ. प्रशांत मिश्रा, प्राचार्या अनुपमा शुक्ला सहित पूरे विद्यालय परिवार को इस भव्य कार्यक्रम के आयोजन की बधाई भी दी। कार्यक्रम में भाजपा नेता शिव शंकर सिंह शंकरी, पार्षद सौरभ सिंह मोनू, पार्षद लवकुश रावत, प्रीतम सिंह, पवन सिंह व अन्य सम्मानित जन मौजूद रहे। डॉ. सिंह ने अपने उद्बोधन में डॉ. सिंह ने कहा कि माता-पिता बच्चे के प्रथम शिक्षक हैं, और हमारे शिक्षक दीपक की तरह स्वयं जलकर बच्चों के भविष्य को रोशन करते हैं। उन्होंने स्कूल के सांस्कृतिक कार्यक्रम को अनुशासन, धैर्य और परिश्रम का अद्भुत संगम बताया और कहा कि इन बच्चों के चेहरों के आत्मविश्वास में मुझे भारत का सुरक्षित भविष्य नजर आता है।

युवाओं पर राष्ट्र निर्माण की जिम्मेदारी

पर्यावरण और तकनीक को 21वीं सदी की दो सबसे बड़ी चुनौतियाँ बताते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि हर पीढ़ी की अपनी चुनौतियां होती हैं। आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अब युवाओं का सपना होना चाहिए कि देश को पहली पंक्ति पर लाना है। उन्होंने एकता पर जोर देते हुए कहा, युवा की कोई जाति, धर्म या क्षेत्र नहीं होता; युवा स्वयं एक शक्ति है। भारत को अगले स्तर तक ले जाने के लिए युवाओं का एकजुट रहना अनिवार्य है।

स्पोर्ट्स एवं डिजिटल स्किल्स भविष्य की सफलता

सरोजनीनगर विधायक ने बच्चों को खेलकूद में नियमित रूप से हिस्सा लेने की प्रेरणा देते हुए कहा, अब युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार होना है। इसके लिए उन्हें शारीरिक रूप से फिट और मानसिक रूप से अलर्ट रहना होगा। स्पोर्ट्स और डिजिटल लिटरेसी का संयोजन ही बच्चों को अगले स्तर तक ले जाएगा।

बुमराह की गेंदबाजी ने कसा दक्षिण अफ्रीका पर शिकंजा

» पहले दिन साउथ अफ्रीका 159 रन बनाकर ऑल आउट हो गई थी

» चोटिल होकर गिल ने मैदान छोड़ा, भारत का स्कोर 138-4

4पीएम न्यूज नेटवर्क

कोलकाता। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच पहला टेस्ट 14 नवंबर से कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेला जा रहा है। आज मैच का दूसरा दिन है। दूसरे दिन लंच तक भारत का स्कोर 4 विकेट पर 138 रन हो गया है। बता दें कि कोलकाता में खेले जा रहे पहले टेस्ट में साउथ अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। पहले दिन साउथ अफ्रीका 159 रन बनाकर ऑल आउट हो गई थी।

इसके बाद दिन खत्म होने तक भारत ने 1 विकेट पर 37 रन बना लिए थे। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच चल रहे कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन लंच ब्रेक हो गया है। पहले सेशन में कुल 25 ओवर का खेल हुआ, जिसमें भारत ने 101 रन बनाए और 3 विकेट गंवाए। हालांकि, शुभमन गिल ने चोटिल होकर मैदान छोड़ा। भारत का स्कोर इस वक्त 4 विकेट पर 138 रन है। ध्रुव जुरेल (05) और रविंद्र जडेजा (11) इस वक्त क्रीज पर मौजूद हैं।

बुमराह ने झटके 5 विकेट

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहले टेस्ट के पहले दिन का खेल बेहद रोमांचक रहा। दिन का सबसे बड़ा आकर्षण जसप्रीत बुमराह की घातक गेंदबाजी रही, जिन्होंने 5 विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका को 159 रन पर ढेर कर दिया। बुमराह ने शुरुआत से ही सटीक लाइन और लेंथ पर गेंदबाजी करते हुए दोनों ओपनरों को पवेलियन भेजा और फिर मिडिल ऑर्डर पर भी लगातार दबाव बनाए रखा।

नए सिक्सर किंग बने पंत

ऋषभ पंत ने इतिहास रच दिया है। वह भारतीय टीम की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। पंत से पहले यह विशेष उपलब्धि पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के नाम दर्ज थी। जिन्होंने 2001 से 2013 के बीच 103 टेस्ट मैच खेलते हुए 178 पारियों में 90 छक्के लगाए थ। मगर भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच कोलकाता में जारी 2 मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में 2 छक्के उड़ाते हुए पंत ने उन्हें पछाड़ दिया है। खबर लिखे जाने तक उन्होंने देश के लिए रेड बॉल क्रिकेट में 92 छक्के लगाए हैं।

कांग्रेस ने बिहार चुनाव के नतीजों पर उठाए सवाल

» बिहार के चुनाव नतीजों पर राहुल, खरगे ने किया मंथन

» दिग्गज कांग्रेसियों ने चुनाव आयोग को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार में महागठबंधन को मिली हार के बाद से कांग्रेस ने मंथन कारणों पर मंथन प्रारंभ कर दिया है। पार्टी पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी व वर्तमान अध्यक्ष ने कार्यालय में इस पर गंभीर चर्चा की है। हालांकि इससे पहले नेता प्रतिपक्ष ने विधानसभा चुनाव के नतीजे को चौंकाने वाला करार दिया था और कहा था कि विपक्षी गठबंधन एक ऐसे चुनाव में जीत हासिल नहीं कर सका, जो शुरू से ही निष्पक्ष नहीं था।कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों पर चर्चा की। कांग्रेस सिर्फ छह सीट पर सिमट गई है। सूत्रों ने बताया कि इस दौरान कांग्रेस के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल, पार्टी कोषाध्यक्ष अजय माकन और पार्टी के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू भी मौजूद थे।

सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस नेताओं ने बिहार में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन पर चर्चा की। पार्टी ने बिहार में 61 सीट पर चुनाव लड़ा था और केवल छह सीट ही जीत पाई। वर्ष 2010 के बाद बिहार में पार्टी का यह दूसरा सबसे खराब प्रदर्शन था। उसने 2010 में केवल चार सीट जीती थीं। कांग्रेस, जिस पर 2020 में महागठबंधन के लिए कम प्रदर्शन करने का आरोप लगाया गया था, जब उसने 70 सीटों पर चुनाव लड़ा था और केवल 19 सीटें ही जीत पाई थी, इस बार 61 में से केवल छह पर ही जीत हासिल कर पाई। गठबंधन की दूसरी प्रमुख पार्टी, राजद, का प्रदर्शन और भी बुरा रहा, उसे आवंटित 143 सीटों में से केवल 25 सीटें ही मिलीं, जबकि पिछली बार उसे 144 में से 75 सीटें मिली थीं।

विधानसभा चुनाव शुरू से ही निष्पक्ष नहीं था : राहुल

बिहार में पार्टी की शर्मनाक हार के बाद अपनी पहली प्रतिक्रि या में, कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि बिहार विधानसभा चुनाव शुरू से ही निष्पक्ष नहीं था। शुक्रवार को जब यह स्पष्ट हो गया कि महागठबंधन 40 सीटों से आगे नहीं बढ़ पाएगा, जबकि एनडीए 243 सदस्यीय विधानसभा में 202 सीटें जीतने में कामयाब रहा, तो एक्स पर बोलते हुए, गांधी ने कहा कि परिणाम आश्चर्यजनक थे और बड़ी लड़ाई संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए है। वोट चोरी के बारे में स्पष्ट रूप से कुछ न कहते हुए, जिसके लिए उन्होंने बिहार में मतदाता अधिकार यात्रा भी निकाली थी, गांधी ने लिखा, मैं बिहार के उन लाखों मतदाताओं का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने महागठबंधन में अपना विश्वास व्यक्त किया। बिहार में यह परिणाम वास्तव में आश्चर्यजनक है। हम एक ऐसे चुनाव में जीत हासिल नहीं कर सके जो शुरू से ही निष्पक्ष नहीं था। उन्होंने आगे कहा, यह लड़ाई संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए है। कांग्रेस पार्टी और भारत गठबंधन इस परिणाम की गहन समीक्षा करेगा और लोकतंत्र को बचाने के अपने प्रयासों को और भी प्रभावी बनाएगा।

आत्मनिरीक्षण की आवश्यकता

बिहार के नतीजों को एक ऐसा झटका बताते हुए जिस पर आत्मनिरीक्षण की आवश्यकता है, गांधी ने कहा कि कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक परिणामों की गहन समीक्षा करेगा और आगे अपने प्रयासों को और मज़बूत करेगा। उन्होंने आगे कहा, यह लड़ाई संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए है। कांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन इस परिणाम की गहन समीक्षा करेगा और लोकतंत्र को बचाने के अपने प्रयासों को और भी प्रभावी बनाएगा।

परिणामों का विस्तार से अध्ययन करेंगे : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पार्टी बिहार में जनादेश का सम्मान करती है, लेकिन लोकतंत्र को कमजोर करने के लिए सवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग करने वाली ताकतों के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस परिणामों का विस्तार से अध्ययन करेगी, उन्होंने महागठबंधन का समर्थन करने वाले मतदाताओं का धन्यवाद किया और पार्टी कार्यकर्ताओं से निराश न होने का आग्रह किया।

बेहद निराशाजनक : थरूर

तिरुवनंतपुरम में बोलते हुए शशि थरूर ने कहा कि ये आँकड़े बेहद निराशाजनक हैं और उन्होंने गहन समीक्षा की माँग की। उन्होंने कहा, गंभीर आत्मचिंतन की ज़रूरत है - सिर्फ़ बैठकर सोचने की नहीं, बल्कि यह अध्ययन करने की कि क्या ग़लत हुआ, क्या रणनीतिक, संदेशात्मक या संगठनात्मक गलतियाँ थीं। थरूर ने कहा कि उन्हें बिहार में प्रचार के लिए आमंत्रित नहीं किया गया था और इसलिए वे केवल अपने सहयोगियों के साथ बातचीत पर ही निर्भर रह सकते हैं।

बड़े पैमाने पर वोट चोरी : जयराम रमेश

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने और भी तीखा रुख़ अपनाया और बड़े पैमाने पर हेराफेरी का आरोप लगाया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, निःसंदेह, बिहार के चुनाव परिणाम बड़े पैमाने पर वोट चोरी को दर्शाते हैं - जिसकी साजिश प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और चुनाव आयोग ने रची है। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी लोकतंत्र बचाने के लिए अपने अभियान को तेज़ करेगी।

तरनतारन के लोगों ने कांग्रेस व भाजपा की राजनीति को नकारा : अनुराग ढांडा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के तरनतारन उपचुनाव में आम आदमी पार्टी की जीत पर आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने शुक्रवार को बयान जारी करके कहा कि तरनतारन के लोगों ने कांग्रेस और भाजपा की राजनीति को पूरी तरह से नकार दिया है। ढांडा ने अपने बयान में कहा कि पंजाब की जनता अब दिल्ली या हरियाणा से आयातित नेताओं के दिखावे से प्रभावित नहीं होती है।

यह जीत मुख्यमंत्री भगवंत मान सरकार के जनहित कार्यों की सशक्त मुहर और अरविंद केजरीवाल की ईमानदारी की राजनीति की गूंज है। यह जीत पंजाब की जनता का भाजपा और कांग्रेस दोनों को करारा जवाब है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह तरनतारन में एक दिन प्रचार करने आए लेकिन जनता ने उन्हें बता दिया कि अब कांग्रेस और भाजपा के बहकावे में नहीं आएंगे।

नतीजा यह हुआ कि भाजपा की जमानत तक जब्त हो गई। ढांडा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल का विकास मॉडल आज पूरे देश में लोगों की पहली पसंद बन चुका है इससे पहले भी गुजरात और पंजाब के उप चुनाव में आम आदमी पार्टी ने जबरदस्त जीत दर्ज की थी। अब चाहे वह मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हो, मोहल्ला क्लीनिकों में इलाज हो, किसानों के लिए राहत योजनाएं हों या बिजली बिलों से आम आदमी को मिली राहत, मान सरकार ने हर मोर्चे पर जनता का भरोसा जीता है। उन्होंने कहा कि भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों को अब यह समझ लेना चाहिए कि पंजाब में कोई बाहरी चेहरा चुनाव नहीं जिता सकता। यहां जनता सिर्फ उसी को वोट देती है जो उसके बीच रहकर उसके दुख-दर्द को समझे और उस पर काम करे।

देश की सुरक्षा के साथ हो रहा खिलवाड़ : केजरीवाल

नौगाम ब्लास्ट पर विपक्ष ने पूछे सवाल, घातक विस्फोट में नौ लोगों की मौत हो गई और करीब 32 लोग घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के नौगाम पुलिस स्टेशन में शुक्रवार रात करीब 11.20 पर हुए एक घातक विस्फोट में नौ लोगों की मौत हो गई और करीब 32 लोग घायल हो गए। सुरक्षाकर्मियों ने थाने के आसपास के इलाके की घेर लिया है और जांच की जा रही है। जम्मू कश्मीर पुलिस ने इस घटना को हादसा बताया है। विस्फोट के कारणों की जांच अभी जारी है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने इस घटना पर गहर दुख जताया है। साथ ही उन्होंने सरकार से कई सवाल किए हैं।

अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, देर रात श्रीनगर के एक पुलिस स्टेशन में हुए बम धमाके की ख़बर बेहद दुखद और चिंता बढ़ाने वाली है। कई बहादुर पुलिसकर्मी शहीद हो गए और कई घायल हैं। परमात्मा शहीदों के परिवारों को इस असहनीय दुख को सहने की शक्ति दें और घायलों को जल्द स्वस्थ करें। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। लेकिन सरकार से ये सवाल जरूरी है। आखिर देश में ये हो क्या रहा है? दिल्ली धमाके की गूंज अभी थमी भी नहीं थी और देश फिर एक धमाके से दहल गया। सरकार, सुरक्षा एजेंसियां, खुफिया तंत्र और गृह मंत्री आखिर क्या कर रहे हैं? देश की सुरक्षा के साथ इतना बड़ा खिलवाड़ कैसे और क्यों होने दिया जा रहा है? देश जवाब चाहता है।

थाने में रखा था विस्फोटक

जम्मू-कश्मीर के सीएमओ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मुख्यमंत्री ने नौगाम पुलिस स्टेशन में हुए दुखद आकस्मिक विस्फोट पर गहरा दुख व्यक्त किया है, जिसमें कई बहुमूल्य जानें गईं और कई पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की है और सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की है।

गृह मंत्रालय ने हादसा बताया

जम्मू कश्मीर में श्रीनगर के नौगाम धमाके पर गृह मंत्रालय का बयान आया है। गृह मंत्रालय के जम्मू-कश्मीर संभाग के संयुक्त सचिव प्रशांत लोखंडे ने कहा कि नौगाम की घटना एक हादसा है। फरीदाबाद से जब्त विस्फोटक नौगाम थाने में फटा है। विस्फोटक का सैंपल लेने के दौरान हादसा हुआ। धामका किस वजह से हुआ है उसकी जांच जारी है। धमाके से पुलिस स्टेशन की इमारत और आसपास की कुछ संरचनाओं को भारी नुकसान पहुंचा है।

बंगाल में भाजपा के लिए जीत दूर की कौड़ी : शशी

मोदी के बयान पर बंगाल में घमासान, टीएमसी व बीजेपी में वार-पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को प्रचंड बहुमत मिलने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुलकर एलान किया कि अब भाजपा का अगला लक्ष्य पश्चिम बंगाल है। उनके इस बयान पर अब सियासी वार-पलटवार का सिलसिला शुरू हो चुका है।

पीएम मोदी ने कहा था, गंगा बिहार से बंगाल तक बहती है। बिहार ने बंगाल में भाजपा की जीत का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। अब हम बंगाल से भी जंगल राज हटाएंगे। प्रधानमंत्री के बयान पर पश्चिम बंगाल की मंत्री शशि पांजा ने निशाना साधते हुए कहा कि पीएम मोदी किसी भ्रम में मत रहें। बंगाल में भाजपा के लिए जीत दूर की कौड़ी है। शशि पांजा ने कहा, आपने बंगाल की महिलाओं का अपमान किया है। आपने बंगाल को मिलने वाली पैसों और राज्य की महिलाओं को मिलने वाले धन रोका है। आपने और भाजपा के अन्य नेताओं ने बंगाल की महिलाओं का अनादर किया है। ममता बनर्जी सरकार की मंत्री ने कहा कि राज्य में भाजपा को बंगाल विरोधी जमींदार के तौर पर जाना जाता है।

प्रधानमंत्री ने वही कहा, जो कहना जरूरी था : समिक भट्टाचार्य

वहीं, पीएम मोदी के बयान पर पश्चिम बंगाल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा, प्रधानमंत्री ने वही कहा, जो कहना जरूरी था। बंगाल में जो कुछ भी हो रहा है, वो अराजकता है और कानून व्यवस्था का पूरी तरह से अभाव है। पश्चिम बंगाल की जनता ने तृणमूल कांग्रेस की सरकार को त्यागने का फैसला कर लिया है। भाजपा नेता दिलीप घोष ने भी इस पर बयान देते हुए कहा, पीएम मोदी ने इशारा कर दिया है और ये जरूर होगा। अब बंगाल की बारी है। यहां बदलाव बहुत जरूरी है।

भाजपा ने पूर्व केंद्रीय मंत्री आरके सिंह को पार्टी से निकाला

» पार्टी विरोधी बयानों के चलते निलंबित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार चुनाव के नतीजों के तुरंत बाद भारतीय जनता पार्टी ने बड़ा अनुशासनात्मक कदम उठाते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री आरके सिंह को पार्टी से निलंबित कर दिया। पार्टी ने आधिकारिक पत्र जारी कर स्पष्ट किया कि सिंह की लगातार विवादित और पार्टी-लाइन से परे की गई बयानबाजी को देखते हुए यह कार्रवाई अनिवार्य हो गई थी। आरके सिंह कई दिनों से एनडीए नेतृत्व, उम्मीदवारों और बिहार सरकार पर गंभीर आरोप लगा रहे थे।

उन्होंने न सिर्फ गठबंधन के कुछ उम्मीदवारों की साख पर सवाल उठाए बल्कि सार्वजनिक मंचों से लोगों से अपील की कि ऐसे लोगों को वोट देने से अच्छा है, चुल्लू भर पानी में डूब मरना। इस बयान ने भाजपा के भीतर और बाहर तीखी प्रतिक्रि या पैदा की थी। सबसे बड़ा विवाद तब खड़ा हुआ जब सिंह ने बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, जेडीयू नेता अनंत सिंह और राजद के सूरजभान सिंह को खुलेआम हत्या का आरोपी कहा। उन्होंने कहा कि बिहार की राजनीति का अपराधीकरण बढ़ाने वाले ये चेहरे किसी भी तरह जनप्रतिनिधि होने के लायक नहीं हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय** :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 **Email**: daily4pm@gmail.com
website: www.4pm.co.in **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।